



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

## उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

### रुद्रकी

खण्ड-21] रुद्रकी, शनिवार, दिनांक ०६ जून, २०२० ई० (ज्येष्ठ १६, १९४२ शक सम्वत) [संख्या-१८

#### विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चंदा
		रु०
सम्पूर्ण गजट का मूल्य .....	—	3075
भाग १—विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस .....	239—305	1500
भाग १—क—नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा साज्सव परिषद् ने जारी किया .....	243—245	1500
भाग २—आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण .....	—	975
भाग ३—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइल एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया .....	—	975
भाग ४—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड .....	—	975
भाग ५—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड .....	—	975
भाग ६—बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट .....	—	975
भाग ७—इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ .....	—	975
भाग ८—सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि .....	—	975
स्टोर्स पर्चेज—स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि .....	—	1425

### भाग 1

#### विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान—नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनुभाग—5

##### अधिसूचना

##### प्रकीर्ण

12 मई, 2020 ई०

संख्या 363 / XXVIII(5)/2020-13(सामान्य)2019-राज्यपाल, हेमवती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 (उत्तराखण्ड अधिनियम सं० 05, वर्ष 2014) की धारा 26 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, हेमवन्ती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय की निम्नलिखित प्रथम विनियमावली बनाते हैं:-

#### हेमवन्ती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय

#### प्रथम विनियमावली, 2020

##### अध्याय — एक

##### प्रारम्भिक

**संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ** 1. (1) इस विनियमावली का संक्षिप्त नाम हेमवन्ती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रथम विनियमावली, 2020 है।

(2) यह विनियमावली राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगी।

**परिभाषाएं** 2. (1) जब तक कि विषय या संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस विनियमावली में -  
(क) “अधिनियम” से हेमवन्ती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 अभिप्रेत है;

(ख) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;

(ग) “विश्वविद्यालय” से हेमवन्ती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय, देहरादून अभिप्रेत है, और

(घ) “चयन समिति” से समय—समय पर विश्वविद्यालयान्तर्गत गठित चयन समिति अभिप्रेत है।

(2) अधिनियम में प्रयुक्त किन्तु इस विनियमावली में अपरिभाषित शब्दों तथा पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिये दिये गये हैं।

##### अध्याय — दो

##### विश्वविद्यालय

**विश्वविद्यालय की स्थापना और निगमन** 3. विश्वविद्यालय मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग, पैरामेडिकल तथा सम्बद्ध (एलाइड) विषयों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर एवं अन्य साटिफिकेट/फेलोशिप प्रोग्राम/पाठ्यक्रम संचालित करने के साथ-साथ स्वयं अथवा सम्बद्ध महाविद्यालयों के माध्यम से शोध कार्य जैसे- पी०एच०डी०/डी०एस०सी०/डी०लिट० या अन्य शोध परियोजनाएँ कराने हेतु सक्षम होगा।

अध्याय – तीन  
विश्वविद्यालय के अधिकारी

कुलाधिपति

4. (1) कुलाधिपति किसी ऐसे विषय पर जो उन्हें धारा 39 के अधीन निर्दिष्ट किया जाये, विचार करते समय विश्वविद्यालय अथवा सम्बद्ध पक्षकारों से ऐसे दस्तावेज अथवा सूचनां, जिसे वह आवश्यक समझे, मांग सकते हैं और किसी अन्य मामले में विश्वविद्यालय से कोई दस्तावेज या सूचना मांग सकते हैं और ऐसे आदेश पारित कर सकते हैं, जिसे वह उचित समझे।

(2) निम्नलिखित किन्हीं भी परिस्थितियों में कुलाधिपति, किसी उपयुक्त व्यक्ति को छः (06) माह से अनाधिक पदावधि के लिये, जैसा वह विनिर्दिष्ट करें, कुलपति के पद पर नियुक्ति कर सकेंगे—

(क) जहाँ कुलपति का पद लम्बी छुट्टी लेने के कारण अथवा पद त्याग या पदावधि की समाप्ति या किसी अन्य कारण से रिक्त हो जाये अथवा उसके रिक्त होने की सम्भावना हो,

(ख) जहाँ कुलपति का पद रिक्त हो जाय और उसे अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसार सुविधा तथा शीघ्रता से न भरा जा सकता हो,

(ग) किसी आपात स्थिति में :

परन्तु यह कि कुलाधिपति इस विनियम के अधीन कुलपति के पद पर किसी व्यक्ति की नियुक्ति की पदावधि को समय—समय पर बढ़ा सकेंगे, किन्तु इस प्रकार की ऐसी नियुक्ति की पदावधि, जिसके अन्तर्गत मूल आदेश में नियत अवधि भी है, 01 वर्ष से अधिक न होगी।

(3) यदि कुलाधिपति की राय में, कुलपति जान बूझकर अधिनियम के उपबन्धों को कार्यान्वयित नहीं करता है या कार्यान्वयित करने में इन्कार करता है या अपने में निहित शक्तियों को दुरुपयोग करता है या यदि कुलाधिपति को अन्यथा यह समाधान हो जाय कि कुलपति का पद पर बना रहना विश्वविद्यालय के लिए अहितकर है, तो कुलाधिपति, ऐसी जॉच करने के पश्चात, जैसी वह उचित समझे आदेश द्वारा कुलपति को हटा सकेंगे।

(4) उपविनियम (3) के अधीन किसी जॉच के विचाराधीन रहने के दौरान कुलाधिपति यह आदेश दें सकेंगे कि जब तक अन्यथा आदेश न दिया जाय,

(क) ऐसा कुलपति, कुलपति के पद के कार्य संचालन से विरत रहेगा, परन्तु उसे वह परिलक्षियों प्राप्त होती रहेंगी, जिसके लिये वह हकदार था।

(ख) कुलपति के पद के कृत्यों का निर्वहन आदेश में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा किया जायेगा।

(5) कुलाधिपति विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों/कार्मिकों की नियुक्ति एवं पदोन्नति हेतु गठित चयन समिति में विषय—विशेषज्ञ के रूप में एक प्रतिनिधि नामित करेंगे।

अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (19) के अन्तर्गत कुलपति की अन्य शक्तियां व कृत्य निम्नलिखित होंगे—

(1) कुलपति विश्वविद्यालय का पूर्ण कालिक कार्यकारी और शैक्षिक प्रधान अधिकारी होगा।

(2) कुलपति अधिनियम व इस विनियमावली के अधीन विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक को छोड़कर अन्य समस्त कार्मिकों का नियुक्ति प्राधिकारी एवं दण्डाधिकारी होगा।

(3) कुलपति राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय एजेन्सियों तथा राज्य सरकार व केन्द्र सरकार से वित्तीय अनुदान प्राप्त करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

(4) विश्वविद्यालय के उद्देशों की पूर्ति हेतु अधिनियम/विनियमावली में प्रदत्त शक्तियों एवं कृत्यों के क्रियान्वयन हेतु आवश्यकतानुसार समितियों/उपसमितियों का गठन करना तथा ऐसी समितियों/उपसमितियों की संस्तुति पर आवश्यक कार्यवाही करना, एवं ऐसी अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य सभी कर्तव्यों का पालन करना जो उसे कार्यपरिषद व कुलाधिपति द्वारा समय-समय पर सौंपे जाय।

(5) कुलपति अल्पकालिक अवधि के लिये नितान्त अस्थायी तौर पर सूजित पदों पर, जो एक समय में अधिकतम 11 माह से अधिक न हो, ऐसे व्यक्तियों को जिन्हें घयन समिति की संस्तुति पर विश्वविद्यालय के उचित कृत्यों के लिये अतिआवश्यक हो या जब तक स्थायी व्यवस्था नहीं हो जाती, जहाँ आवश्यक समझे ऐसे मानदेय पर जैसा वित्त समिति द्वारा नियत किया जाय, नियुक्तियाँ कर सकता है, ऐसी नियुक्तियों कार्यपरिषद से अनुमोदित की जायेंगी।  
परन्तु ऐसी नियुक्तियों शासन की अनुमति के बिना नहीं की जा सकेंगी।

(6) कुलपति अधिनियम की धारा 10 में वर्णित व्यवस्थानुसार मुख्य शैक्षिक अधिकारी के दायित्व निर्वहन हेतु विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त राजकीय शिक्षण संस्थानों में समय-समय पर शैक्षणिक/अकादमिक व चिकित्सालय में चिकित्सा सुविधाओं से सम्बन्धित कार्यों का निरीक्षण व मूल्यांकन करेंगे तथा विस्तृत निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर शासन को उपलब्ध करायेंगे। सम्बन्धित राजकीय संस्थान के प्राचार्य/ चिकित्सा अधीक्षक का वार्षिक मूल्यांकन करते समय शासन द्वारा इस निरीक्षण रिपोर्ट का संज्ञान लिया जाएगा।

(7) कुलपति विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर/मंचों पर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में (यथा शोध, अनुसंधान, समीनार, गोष्टी व कार्यशाला आदि में) प्रतिनिधित्व करेंगे। इसे कार्य अवकाश मानते हुए इस हेतु आने वाले व्यय विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जायेगा। इस हेतु नीति एवं विस्तृत शर्तें/नियम वित्त समिति एवं कार्यपरिषद द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

(8) कुलपति अधिनियम के अध्याय-तीन के अन्तर्गत प्रधान प्रशासनिक अधिकारी के रूप में राजकीय भेड़िकल कॉलेजों के सम्बद्ध टीचिंग चिकित्सालयों की गुणवत्ता में सुधार हेतु बनी "केन्द्रीय चिकित्सालय प्रबन्धन समिति" का अध्यक्ष गुणवत्ता में सुधार हेतु बनी "केन्द्रीय चिकित्सालय प्रबन्धन समिति" का अध्यक्ष गुणवत्ता में सुधार करने, पेसेन्ट केयर पॉलेसी फॉरमेशन, इत्यादि विषयों पर गुणवत्ता में सुधार करने, पेसेन्ट केयर पॉलेसी फॉरमेशन, इत्यादि विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श कर लिए गये निर्णयों को लागू करवाएंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर सुझाव/प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जायेंगे।

समिति का गठन निम्न प्रकार होगा:-

1. कुलपति, हेमवती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा -  
शिक्षा विश्वविद्यालय

अध्यक्ष

2.	निदेशक, चिकित्सा शिक्षा, निदेशालय	-	सदस्य
3.	सचिव, चिकित्सा शिक्षा, द्वारा नामित प्रतिनिधि	-	सदस्य
4.	समस्त प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कॉलेज	-	सदस्य
5.	समस्त चिकित्सा अधीक्षक, राजकीय मेडिकल कॉलेज	-	सदस्य
6.	चिकित्सा अधीक्षक, राजकीय दून मेडिकल कॉलेज	-	सदस्य सचिव

(9) अन्य सभी ऐसे कृत्य जो समय-समय पर कार्यपरिषद, शासन एवं कुलाधिपति स्तर से निर्देशित किये जाए।

### कुलसचिव

6. (1) कुलसचिव, विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी होगा और राज्य सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 12 के उपबन्धों में दी गयी व्यवस्था के अनुसार नियुक्त किया जायेगा। कुलसचिव की न्यूनतम अर्हता यही होगी जो उत्तराखण्ड राज्य के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों के कुलसचिव हेतु विहित की गयी है :

परन्तु यह कि यदि किन्हीं कारणों से राज्य सरकार कुलसचिव की नियुक्ति करने में असमर्थ हो अथवा पद रिक्त रहता है तो कुलपति के परामर्श से राज्य सरकार किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करने का निर्णय ले सकती है।

- (2) कुलसचिव, कुलपति के प्रत्यक्ष निर्देशन, पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण में कार्य करेंगे।
- (3) अधिनियम की धारा 12 की उपधारा (11) के अन्तर्गत कुलसचिव की अन्य शक्तियां, कर्तव्य य कृत्य निम्नलिखित होंगे—
  - (i) विश्वविद्यालय की समस्त सम्पत्ति का अभिरक्षक होना जबतक की कार्यपरिषद द्वारा अन्य व्यवस्था न की गयी हो,
  - (ii) विभिन्न प्राधिकारियों की बैठक से सम्बन्धित प्राधिकरण के अध्यक्ष अथवा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से बुलाने के लिए समस्त सुचनाएं जारी करना और ऐसे समस्त बैठकों का कार्यपूर्त रखना।
  - (iii) विश्वविद्यालय स्तर से होने वाले प्रत्राचारों पर हस्ताक्षर कर निर्गत करना।
  - (iv) ऐसी समस्त शक्तियों का प्रयोग करना, जो कुलाधिपति, कुलपति अथवा विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों अथवा निकायों के, जिनका कार्य वह सचिव के रूप में करता हो, आदेशों को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक या समीचीन हो।
  - (v) विश्वविद्यालय द्वारा या उसके विरुद्ध वादों या कार्यवाहियों में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना, मुख्तारनामे पर हस्ताक्षर करना, अभिवचनों का सत्यापन करना।
  - (vi) कुलसचिव अधिनियम की धारा 12 के द्वारा दिये गये समस्त शासकीय/प्रशासनिक कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करेंगे।
  - (vii) अन्य ऐसे समस्त कार्य जैसा कुलपति द्वारा समय-समय पर निर्देशित किये जाए।

**परीक्षा नियंत्रक** 7. (1) (4) कुलसचिव के वेतनमान व शैक्षिक अहता परिशिष्ट—(क) के अनुसार होंगी।  
 परीक्षा नियंत्रक, विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक अधिकारी होगा और राज्य सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 13 के उपबन्धों के अधीन नियुक्त किया जायेगा तथा अहता इस विनियमावली के परिशिष्ट—“क” के अनुसार होंगी।

(2) परीक्षा नियंत्रक कुलपति के प्रत्यक्ष निर्देशन, पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण में कार्य करेंगे।  
 (3) परीक्षा नियंत्रक परीक्षाओं को सम्बन्धित मानक परिषद द्वारा निर्धारित मानकानुसार, पूर्ण गोपनीयता के साथ समयबद्ध रूप से संचालन करेंगे और इस हेतु उत्तरदायी होंगे।  
 (4) परीक्षा नियंत्रक अधिनियम की धारा 13 के उपबन्धों में वर्णित समस्त कार्य, कर्तव्य का भी अनुपालन करेगा।  
 (5) कुलपति के अनुमोदन उपरान्त परीक्षा समिति की बैठकों का आयोजन करेगा।  
 (6) अन्य ऐसे समस्त कार्य जैसा कुलपति/ कार्यपरिषद द्वारा समय—समय पर दिये जाए।

**वित्त अधिकारी** 8. 1. अधिनियम में उपबन्धित कृत्यों के अतिरिक्त, वित्त अधिकारी की निम्नलिखित शक्तियां एवं कृत्य होंगे :—  
 (i) वित्त अधिकारी कुलपति के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण में कार्य करेगा।  
 (ii) वित्त समिति की बैठकों के कार्यवृत्त तैयार करना एवं उनका अनुरक्षण करना।  
 (iii) विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारियों एवं प्राधिकारियों द्वारा गठित निकायों की वित्तीय मामलों से सम्बन्धित कार्यवाहियों में सम्मिलित होना।  
 (iv) विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त किये जा रहे सभी धनराशि से सम्बन्धित उचित लेखों एवं अन्य अभिलेखों को अनुक्षित करना।  
 (v) वार्षिक बजट व वार्षिक लेखा विवरण तैयार करना एवं लेखा—परीक्षा आख्या सहित उन्हें विश्वविद्यालय के सम्बन्धित प्राधिकारियों के समक्ष रखना।  
 (vi) विश्वविद्यालय की निधियों का पर्यवेक्षण करना।  
 (vii) विश्वविद्यालय को किसी भी वित्तीय मामले में परामर्श मांगे जाने पर परामर्श देना।  
 (viii) निधियों, सम्पत्तियों, निवेशों, विन्यास सम्पत्तियों एवं न्यासों के अभिलेखों का रखरखाव करना।  
 (ix) यह सुनिश्चित करना कि विश्वविद्यालय के वार्षिक बजट में आवर्तक व अनावर्तक व्यय की सीमाएँ निर्धारित सीमाओं से अधिक न हो एवं आवंटित की गयी धनराशि उन्हीं प्रयोजनों के लिए व्यय की जाय जिनके लिए वह स्वीकृत किये गये हैं।  
 (x) रोकड़ लेन—देन, बैंक अवशेषों एवं निवेशों की निगरानी करना।  
 (xi) राजस्व संग्रह की प्रगति की निगरानी करना एवं विश्वविद्यालय को राजस्व संग्रह के लिए नियोजित विधियों की सलाह देना।

(xii) यह सुनिश्चित करना कि विश्वविद्यालय के लेखों के आन्तरिक एवं संविधिक लेखा परीक्षा निर्धारित रूप से कर दिया गया है,

(xiii) आय एकत्रित करना, भुगतान हेतु परामर्श करना एवं विश्वविद्यालय के लेखों का अनुरक्षण करना,

(xiv) यह सुनिश्चित करना कि सभी अचल व पूँजीगत परिसम्पत्तियों की पंजीका तैयार हो गयी है एवं नियमित रूप से अनुरक्षित है,

(xv) यह सुनिश्चित करना कि सभी अचल सम्पत्ति और उपभोज्य वस्तुओं का भौतिक सत्यापन नियमित अन्तराल पर कर लिया गया है;

(xvi) विश्वविद्यालय की किसी भी समिति या व्यक्ति द्वारा किये गये अनाधिकृत व्यय या वित्तीय अनियमिताओं, यदि कोई हो के सम्बन्ध में, संबंधित से स्पष्टीकरण माँगे जाने एवं उचित अनुशासनात्मक कार्यवाही की सिफारिश करने हेतु कुलपति को प्रस्ताव देना,

(xvii) विश्वविद्यालय के लेखापरीक्षा एवं वित्त विभाग के समस्त कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक नियंत्रण करना,

(xviii) ऐसी अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग एवं ऐसे अन्य सभी कर्तव्यों का पालन करना जो उसे कुलपति द्वारा समय-समय पर सौंपी जाये।

(xix) विश्वविद्यालय का वार्षिक लेखा और बजट तैयार करना वित्त समिति द्वारा और इसके अनुमोदन के पश्चात् कार्य परिषद के समक्ष प्रस्तुत करना।

(xx) यह सुनिश्चित करना कि, विश्वविद्यालय की निधियां जिनका निवेश किया जाना अपेक्षित हो, इस रीति से किया जाय जिससे विश्वविद्यालय लाभान्वित हो और वित्त समिति की सिफारिश पर हो,

(xxi) वित्तीय मामला अथवा इसके अतिरिक्त किसी सम्बद्ध या संघटक महाविद्यालय से सूचना या रिपोर्ट मांगना जो उसके कर्तव्यों के अनुपालन के प्रयोजन के लिये आवश्यक समझे जायें,

(xxii) अधिनियम के उपबंधों के अनुसार बाहरी एजेंसी द्वारा लेखा परीक्षा के संचालन के लिये व्यवस्था करना,

(2) विश्वविद्यालय के लेखा की वार्षिक लेखा परीक्षा के लिये वित्त अधिकारी उत्तरदायी होगा।

(3) अधिनियम में यथा वर्णित विशेष लेखा परीक्षा के सम्बन्ध में सहायता प्रदान करना और राज्य सरकार के किन्हीं निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करना।

अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत व धारा ८ के खण्ड (छ) के अधीन संघटक विश्वविद्यालय / विश्वविद्यालय के निम्न अधिकारी होंगे :-

(क) अधिष्ठाता, एवं

(ख) कार्यपरिषद / राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर वांछित अन्य अधिकारीगण

विश्वविद्यालय स्तर पर एक अधिष्ठाता होगा। परन्तु यदि आवश्यकता हुयी तो कुलपति कार्य को सुचारू रूप से संचालन करने के लिए अवैतनिक उप-अधिष्ठाता भी बना सकते हैं।

अधिष्ठाता की नियुक्ति कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय / विश्वविद्यालय के संघटक

अधिष्ठाता ९ (1) क

अधिष्ठाता ९ (2)

मेडिकल महाविद्यालय के आचार्यों में से वरिष्ठता एवं चकानुकम आधार पर की जायेगी :

परन्तु संघटक मेडिकल महाविद्यालय में आचार्य की अनउपलब्धता की दशा में कुलपति द्वारा अधिष्ठाता के पद का निर्वहन किया जाएगा।

- (3) अधिष्ठाता का कार्यकाल 02 वर्ष की अवधि या उसकी सेवानिवृत्ति, जो भी पहले हो, के लिए होगी, वह पुर्णनियुक्त के लिए अर्ह होगा।
- (4) संकाय सदस्य जिसको अधिष्ठाता के रूप से नियुक्त किया जाय वह अपने मूल पद के कार्यों के अतिरिक्त अधिष्ठाता का कार्य भी करेगा।
- (5) इस कार्य के लिये नामित संकाय सदस्य को पृथक से वेतन देय नहीं होगा।

अधिष्ठाता की  
शक्तियां,  
कर्तव्य एवं कृत्य

9  
ख

- (1) अधिष्ठाता कुलपति/शैक्षिक परिषद के प्रत्यक्ष निर्देशन, नियन्त्रण एवं पर्यवेक्षण में कार्य करेगा।
- (2) अधिष्ठाता विश्वविद्यालय/विश्वविद्यालय के संघटक/संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित समस्त शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों/क्रियाकलापों का संचालन करेंगे और इस हेतु उत्तरदायी होंगे।
- (3) अधिष्ठाता विश्वविद्यालय के संघटक/समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों में अनुशासन/छात्र कल्याण/क्रीड़ा/सांस्कृतिक गतिविधियों/क्रियाकलापों का संचालन करेंगे और इस हेतु उत्तरदायी होंगे।
- (4) अधिष्ठाता छात्र कल्याण/क्रीड़ा/सांस्कृतिक/अनुशासन समिति की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे एवं इनकी संस्तुतियों को शैक्षिक परिषद एवं कुलपति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।
- (5) अधिष्ठाता शोध समिति की बैठकों की अध्यक्षता करेगा। एवं इसकी संस्तुतियों को शैक्षिक परिषद एवं कुलपति के समक्ष प्रस्तुत करेगा।
- (6) अधिष्ठाता कुलपति के अनुमोदनोपरान्त विभिन्न संकायों की बैठक आयोजित कर उसकी अध्यक्षता करेगा एवं संकाय बोर्ड की बैठकों की संस्तुतियों को शैक्षिक परिषद/कुलपति के समक्ष प्रस्तुत करेगा।
- (7) अधिष्ठाता को कार्य परिषद, शैक्षिक परिषद, वित्त समिति एवं परीक्षा समिति की बैठकों की कार्यवाही में भाग लेने और बोलने का अधिकार होगा किन्तु मत देने का अधिकार नहीं होगा।
- (8) अन्य ऐसे समस्त कार्य जैसा कि कुलपति द्वारा समय-समय पर निर्देशित किये जाए।

### अध्याय - चार

#### विश्वविद्यालय के प्राधिकारी और निकाय

विश्वविद्यालय के 10.  
प्राधिकारी

अधिनियम की धारा 17 के अनुसार विश्वविद्यालय के निम्न प्राधिकारी होंगे:-

- (क) कार्यपरिषद।

(ख) शैक्षिक परिषद

(ग) वित्तीय समिति।

(घ) परीक्षा समिति।

(ङ) ऐसे अन्य प्राधिकारी जो परिनियमों द्वारा विश्वविद्यालय के प्राधिकारी घोषित किया जाय।

**कार्यपरिषद की 11. (1) अधिनियम एवं विनियमावली के उपबन्धों के अधीन रहते हुए कार्यपरिषद की निम्न अन्य शक्तियां एवं कृत्य होंगे:-**

(i) राज्य सरकार के पूर्वानुमोदन से विश्वविद्यालय के अध्यापकों और शिक्षणेत्तर कार्मिकों के पदों का सृजन करना।

(ii) विश्वविद्यालय के ऐसे अतिरिक्त धन को ऐसी प्रतिभूतियों में जैसा वह ठीक समझे या विश्वविद्यालय के विकास के लिए किसी स्थावर सम्पत्ति के खरीद में निवेश करना :

परन्तु यह की इस खण्ड के अधीन कोई कार्यवाही वित्त समिति के पूर्वानुमोदन के बिना नहीं की जाएगी।

(iii) अधिनियम और अध्यादेशों के अनुसार विश्वविद्यालय के अध्यापक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी वर्ग में अनुशासन को विनियमित और प्रवर्तित करना।

(vi) विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों की, जो किसी कारण से व्यक्ति हो, शिकायतों पर विचार करना, न्याय निर्णीत करना, और शिकायतों को दूर करना।

(v) विभिन्न कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों और अन्य विषयों के लिए कार्यक्रम एवं पाठ्यक्रम शुल्क, परीक्षा शुल्क और अन्य शुल्क/प्रभार विहित करना।

(2) कार्य परिषद की बैठक के लिए गणपूर्ति, कार्य परिषद के कुल उपस्थित सदस्यों के एक तिहाई होगी।

**शैक्षिक परिषद 12. अधिनियम एवं विनियमावली के उपबन्धों के अधीन रहते हुए शैक्षिक परिषद की निम्न अन्य शक्तियां एवं कृत्य होंगे:-**

(1) समस्त शैक्षणिक विषयों में कार्यपरिषद को परामर्श देगा।

(2) संकाय बोर्ड की संस्तुतियों / प्रस्तावों पर निर्णय लेना।

(3) विश्वविद्यालय की शोध समिति की संस्तुतियों / प्रस्तावों पर निर्णय लेना।

(4) विश्वविद्यालय की शैक्षिक नीतियों का सामान्य पर्यवेक्षण करना और अनुदेश की पद्धतियों या शैक्षणिक मानकों में सुधार के संबंध में निर्देश देना।

(5) कार्य परिषद के किसी निर्देश पर या स्वप्रेरणा से सामान्य हित के मामले में विचार करना।

**वित्त समिति 13. (1) अधिनियम की धारा 22 की उपधारा (3) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए वित्त समिति की निम्न अन्य शक्तियां एवं कृत्य होंगे:-**

(i) यदि कार्यपरिषद वार्षिक वित्तीय अनुमान (अर्थात बजट) पर विचार करने के पश्चात किसी समय उसमें किसी ऐसे पुनरीक्षण का प्रस्ताव करें, जिसमें आवर्ती या अनावर्ती व्यय अन्तरग्रस्त हो, तो कार्य परिषद वित्त समिति को प्रस्ताव निर्दिष्ट करेंगी।

(ii) वित्त अधिकारी द्वारा तैयार किया गया विश्वविद्यालय का वार्षिक लेखा तथा वित्तीय अनुमान वित्त समिति के समक्ष विचारार्थ और तत्पश्चात् कार्य परिषद् के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जायेगा।

(iii) वित्त समिति के सदस्य उसके किसी विनिश्चय से सहमत न हो तो असहमति टिप्पणी अभिलिखित करने का अधिकार।

(2) लेखाओं की जांच करने तथा व्यय के प्रस्तावों की संवीक्षा करने के लिए वित्त समिति की प्रति वर्ष कम से कम दो बार बैठक होगी।

**परीक्षा समिति** 14. (1) अधिनियम की धारा 23 (1) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय हेतु निम्नानुसार परीक्षा समिति गठित होगी:-

I.	कुलपति	-	अध्यक्ष
II.	अधिष्ठाता	-	सदस्य
III.	प्रत्येक संकाय के संयोजक	-	सदस्य
IV.	कुलपति द्वारा नामित शैक्षिक परिषद का एक सदस्य	-	सदस्य
V.	कुलपति द्वारा नामित कार्य परिषद का एक सदस्य	-	सदस्य
VI.	कुलपति द्वारा नामित दो विषय विशेषज्ञ (आवश्यकतानुसार)	-	
VII.	कुलपति द्वारा नामित दो सम्बद्ध निजी शिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्य	-	सदस्य
VIII.	परीक्षा नियंत्रक	-	सदस्य सचिव

उक्त समिति में क्रम संख्या—IV, V, VII में उल्लिखित सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष का होगा।

(2) परीक्षा समिति की बैठके कुलपति द्वारा, जैसे और जब आवश्यक हो, बुलायी जायेगी। जिसकी व्यवस्था परीक्षा नियंत्रक द्वारा की जायेगी।

(3) अधिनियम की धारा 23 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए परीक्षा समिति की निम्न अन्य शक्तियाँ एवं कृत्य होंगी:-

(i) परीक्षा समिति संस्थान स्तर पर गठित परीक्षा समितियों की संस्तुतियों/ प्रस्तावों पर यथोचित निर्णय लेते हुए प्रस्ताव कार्यपरिषद के सम्मुख अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करेगी।

(ii) परीक्षा समिति नकल विहीन, गोपनीयता एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ परीक्षाओं के संचालन हेतु आवश्यक नियम व शर्तों का प्रस्ताव तैयार कर कार्यपरिषद के सम्मुख अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करेगी।

(iii) परीक्षा समिति परीक्षाओं के सुचारू संचालन हेतु विभिन्न मर्दों पर होने वाले व्ययों के लिए पारीक्षणिक/मानदेय का प्रस्ताव तैयार कर वित्त समिति के सम्मुख प्रस्तुत करेगी।

(iv) परीक्षा समिति परीक्षाओं को सम्बन्धित मानक परिषद द्वारा निर्धारित मानकानुसार, पूर्ण गोपनीयता के साथ समयबद्ध रूप से संचालन करने हेतु उत्तरदायी होगी।

संकाय

15. (1) अधिनियम की धारा 24 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के निम्न संकाय होंगे:-

- (क) चिकित्सा संकाय।
- (ख) दंत चिकित्सा संकाय।
- (ग) नर्सिंग चिकित्सा संकाय।
- (घ) परा-चिकित्सा संकाय।
- (ड) चिकित्सा-सम्बद्ध संकाय।

(च) कार्यपरिषद के अनुमोदनोपरान्त ऐसे अन्य संकाय जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यक समझा जाये।

- (2) प्रत्येक संकाय का एक संयोजक होगा, जो कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के संघटक/ सम्बद्ध महाविद्यालयों के संबंधित संकाय के वरिष्ठतम् संकाय सदस्यों या प्राचार्यों में से दो वर्ष की अवधि हेतु चक्रानुक्रम आधार पर नियुक्त किया जायेगा।
- (3) संयोजक अधिष्ठाता के माध्यम से संकाय से सम्बन्धित प्रकरणों को विश्वविद्यालय को प्रेषित करेंगे।
- (4) इस प्रकार नियुक्त संकाय के संयोजक द्वारा अपने मूल पद के कार्यों के अतिरिक्त संकाय के संयोजक पद के कर्तव्य एवं दायित्वों का निर्धारण भी किया जाएगा। इस हेतु उन्हें कोई अतिरिक्त वेतन देय नहीं होगा।

अन्य प्राधिकारी

16.

अधिनियम की धारा 25 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के अन्य निम्न प्राधिकारी का गठन किया जाता है:-

- (क) संकाय बोर्ड
- (ख) शोध समिति
- (ग) आचार-विद्यार समिति।
- (घ) क्रीड़ा / सांस्कृतिक एवं छात्र कल्याण समिति
- (ड) अनुशासनिक समिति
- (च) एंटी रेगिंग समिति
- (छ) महिला उत्पीड़न विरोधी समिति
- (ज) परीक्षा समिति (संघटक/ सम्बद्ध महाविद्यालय स्तरीय)
- (झ) अकादमिक/ शोध समिति (संघटक/ सम्बद्ध महाविद्यालय स्तरीय)

#### स्तरीय)

संकाय बोर्ड

17. (1)

विश्वविद्यालय के अन्य प्राधिकारी के रूप में प्रत्येक संकाय का एक संकाय बोर्ड होगा। जिसका गठन निम्नवत् होगा:-

I. अधिष्ठाता	-	अध्यक्ष
II. संबंधित संकाय के संयोजक	-	सदस्य सचिव
III. संकाय के अन्तर्गत आने वाले विश्वविद्यालय के संघटक/ सम्बद्ध महाविद्यालयों के कुलपति द्वारा नामित दो प्राचार्य	-	सदस्य
IV. संकाय के अन्तर्गत आने वाले विश्वविद्यालय के संघटक/ सम्बद्ध महाविद्यालयों के विभिन्न विषयों के चक्रानुक्रम आधार पर कुलपति द्वारा	-	सदस्य

नामित अधिकतम दस (10) आचार्य/वरिष्ठ  
संकाय सदस्य

v. संबंधित संकाय के कुलपति द्वारा नामित दो – सदस्य  
बाह्य विषय विशेषज्ञ शिक्षाविद्

(2) पदेन सदस्यों के सिवाय, संकाय के सभी नामित सदस्य अपनी नामांकन की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए सदस्य होंगे एवं वे तब तक दूसरे कार्यकाल के लिए अहं नहीं होंगे जबतक उस संकाय के सभी वरिष्ठ संकाय सदस्य / आचार्य अपना पहला कार्यकाल पूरा नहीं कर लेते।

(3) संकाय बोर्ड की बैठक के लिए गणपूर्ति, संकाय बोर्ड के कुल उपस्थित सदस्यों के एक तिहाई होंगी।

(4) संबंधित संकाय बोर्ड की बैठके कुलपति द्वारा, जैसे और जब आवश्यक हो, बुलायी जायेगी। जिसकी व्यवस्था सम्बन्धित संकाय के संयोजक द्वारा अधिष्ठाता के निर्देशन में की जायेगी।

(5) कुलपति / शैक्षिक परिषद के नियंत्रण एवं विनियमों व उपबन्धों के अधीन संकाय बोर्ड की निम्नलिखित शक्तियों एवं कृत्य होंगे, अर्थातः-

- (क) शैक्षिक परिषद/ कार्यपरिषद/ कुलपति द्वारा सन्चर्भित, या स्वयं, शैक्षिक मामलों पर विचार करना एवं उसकी आख्या देना,
- (ख) शैक्षिक परिषद को विश्वविद्यालय के संघटक/ सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं विभागों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अन्य उच्च पाठ्यक्रमों के शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं परीक्षाओं से सम्बन्धित संस्तुतियों प्रदान करना,
- (ग) विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों द्वारा निम्न मामलों के लिए बनाये गये दिशानिर्देश एवं अध्यादेशों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना—
  - (i) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम विकास;
  - (ii) शिक्षकों का विकास;
  - (iii) अध्ययन व शिक्षण सामग्री का विकास;
  - (iv) शैक्षिक कार्यप्रणाली एवं तकनीकों का नवोत्थान।
- (घ) विश्वविद्यालय के संघटक / सम्बद्ध महाविद्यालयों के अध्यापकों के लिए, विशेषकर संशोधित या नव-प्रस्तावित अध्ययन के पाठ्यक्रमों के लिए, पुनश्चर्या एवं अभिविन्यास पाठ्यक्रमों के आयोजनों हेतु शैक्षिक परिषद को संस्तुत करना, एवं
- (ङ) संकाय के अन्तर्गत संचालित प्रत्येक पाठ्यक्रम की संबंधित परिसर के मानकानुसार समायान्तर्गत समस्त शैक्षणिक गतिविधियों हेतु आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर शैक्षिक परिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करना।
- (च) शैक्षिक परिषद/ कार्यपरिषद/ कुलपति द्वारा संकाय से संबंधित किसी प्रकरण पर मांगे जाने पर आख्या प्रस्तुत करना।
- (छ) संकाय से संबंधित स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पी०जी०डिप्लोमा/ साटिफिकेट पाठ्यक्रमों हेतु संबंधित परिषद द्वारा निर्धारित मानकानुसार वार्षिक एकेडमिक कलेण्डर तैयार कर शैक्षिक परिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करना।
- (ज) संकाय से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों की परीक्षा स्कीम और पाठ्यक्रम से

सम्बन्धित प्रस्तावों पर विचार करना और यदि आवश्यक हुआ तो उपांतरों के तत्पश्चात् अनुमोदन के लिए शैक्षिक परिषद से सिफारिश करना।

(ज) सम्बन्धित संकाय के सम्बन्ध में और अनुसंधान कार्यों के सम्बन्ध में शैक्षिक परिषद से सिफारिश करना।

(ग) शैक्षिक परिषद के कार्य क्षेत्र के सम्बन्ध में किसी ऐसे प्रश्न पर जो उसे आवश्यक प्रतीत हो और शैक्षिक परिषद द्वारा उसको निर्विष्ट किए गए किसी मामले पर विचार करना और उसके सम्बन्ध में शैक्षिक परिषद से सिफारिश करना।

(त) संकाय के अधिकार क्षेत्र के शिक्षा के पाठ्यक्रमों, पाठ्यचर्या एवं आकलन की रीति हेतु शैक्षिक परिषद को संस्तुति प्रदान करना।

(थ) अन्य शैक्षिक मामले जो उसे सन्दर्भित किये जाय या जिसे वह उचित समझें, पर विचार करना।

**शोध समिति** 18. (1) विश्वविद्यालय के सम्बद्ध एवं संघटक महाविद्यालयों में शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कुलपति द्वारा एक शोध समिति का गठन किया जायेगा।

(2) शोध समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्:-

(क) अधिष्ठाता — अध्यक्ष

(ख) समस्त संकायों के संयोजक — सदस्यगण

(ग) समस्त संघटक महाविद्यालयों के प्राचार्य/परिसर निदेशक — सदस्यगण

(घ) कुलपति द्वारा प्रत्येक संकाय से दो वर्षों की अवधि के लिए नामित एक स्थापित शोध की पृष्ठभूमि वाला शिक्षक एवं

(ङ) कुलपति द्वारा दो वर्षों के लिए नामित दो बाहरी विशेषज्ञ शिक्षाविद — सदस्यगण

(च) शोध अधिकारी — समन्वयक.

(3) शोध समिति कुलपति के नियंत्रणाधीन होगी।

(4) नामित सदस्य पुर्णनियुक्ति के लिए अर्ह होंगे।

(5) शोध समिति का अध्यक्ष अपनी समिति के किसी सदस्य को शोध समिति का सचिव चयनित कर सकेगा।

(6) शोध समिति की बैठक एक वर्ष में न्यूनतम 03 (तीन) बार अवश्य आयोजित की जायेगी,

परन्तु यह कि शोध समिति की बैठक का आयोजन कुलपति के अनुमोदनोपरान्त आवश्यकतानुसार कभी भी किया जा सकेगा।

(7) शोध समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति कुल सदस्यों की 1/2 (आधा) होगी।

(8) कुलपति / शैक्षिक परिषद के नियंत्रण एवं विनियम के प्राविधानों के अधीन शोध समिति की निम्नलिखित शक्तियों एवं कृत्य होंगे, अर्थात्:-

(क) विश्वविद्यालय के संघटक एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में किये जा रहे शोध/अनुसंधान कार्य पर सामान्य पर्यवेक्षण रखना,

(ख) स्वयं या विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, शैक्षिक इकाईयों व संघटक

महाविद्यालयों द्वारा संदर्भित शोध/अनुसंधान से सम्बन्धित सभी मामलों पर विचार करना,

- (ग) विश्वविद्यालय में अन्तर-संकाय एवं अन्तर विभागीय शोध/अनुसंधान को बढ़ावा देना,
- (घ) शोध/अनुसंधान के संचालन एवं निगरानी हेतु, निम्नलिखित को सम्मिलित कर परन्तु उन तक सीमित न रहकर, दिशा निर्देशों को बनाना एवं क्रियान्वयन करना –
  - (i) प्रयोगशाला, पशु एवं क्लीनिकल शोध/अनुसंधान का नैतिक संचालन;
  - (ii) शोध/अनुसंधान प्रस्तावों को प्रस्तुत करने एवं अनुदान की प्रक्रिया;
  - (iii) शोध/अनुसंधान योजनाओं की प्रगति की आख्या;
  - (iv) प्रकाशन एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से शोध/अनुसंधान के निष्कर्षों का प्रसार;
  - (v) वित्त समिति को शोध/अनुसंधान बजट प्रस्तुत करना;
  - (vi) शोध/अनुसंधान व्ययों की निगरानी; और
  - (vii) विश्वविद्यालय के सभी शोध/अनुसंधान गतिविधियों का प्रलेखन।
- (ड) विश्वविद्यालय के विभागों, संकायों, शैक्षिक इकाईयों एवं संघटक महाविद्यालयों की शोध/अनुसंधान गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा करना, और
- (च) राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय, सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों, विश्वविद्यालयों, संघटनों एवं एजेंसियों के साथ संयोजन कर सहयोगात्मक एवं बहु-विषयक शोध/अनुसंधान को सुविधाजनक बनाना।
- (छ) संस्थान स्तरीय अकादमिक/शोध समिति की संस्तुतियों/प्रस्तावों पर निर्णय करना।

आचार-विचार समिति	19. (1) कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय हेतु निम्न आचार-विचार समिति (Ethics Committee) का गठन किया जाएगा:– (क) संस्थागत मानव आचार-विचार समिति (Institutional Human Ethics Committee) (ख) संस्थागत पशु आचार-विचार समिति ( Institutional Animal Ethics Committee)
	(2) उक्त समितियों का गठन सम्बन्धित नियामक मंत्रालय/संवैधानिक परिषद द्वारा समय-समय पर निर्धारित किये गये मानकानुसार किया जायेगा।
	(3) उक्त समितियों के कृत्य, शक्तियाँ व उद्देश्य वही होंगे जैसा कि सम्बन्धित नियामक मंत्रालय/संवैधानिक परिषद द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किये जाए।
क्रीड़ा/ सास्कृतिक एवं छात्र कल्याण	20. (1) विश्वविद्यालय की एक क्रीड़ा /सांस्कृतिक एवं छात्र कल्याण समिति होगी। समिति के उद्देश्य निम्नलिखित होंगे :– (क) विश्वविद्यालय के सदस्यों एवं छात्रों के बीच खेल-कूदों तथा अन्य

## समिति

शारीरिक क्रिया-कलापों का विकास।

- (ख) छात्रों में अनुशासन की प्रवृत्ति का विकास।
- (ग) संकाय खेल-प्रतियोगिता और प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करना तथा अन्तर विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय तथा ऐसी अन्य प्रतियोगिताओं, जो बोर्ड द्वारा उचित समझी जाएं, में विश्वविद्यालय दल की संस्थानी करना तथा ऐसे सभी अन्य कार्य जो ऐसे उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सहबद्ध तथा समनुषंगी हों।
- (घ) विभिन्न क्रियाकलापों के आयोजन द्वारा छात्र कल्याण का विकास।
- (ङ) छात्रों से प्राप्त क्रीड़ा/विकास/छात्र कल्याण/अलमनाई/उपाधि/दीक्षांत समारोह शुल्क के व्यय के संबंध में प्रस्ताव तैयार कर वित्त समिति को प्रस्तुत करना।

(2) समिति का गठन निम्न प्रकार होगा :-

(क)	कुलपति	-	संरक्षक
(ख)	अधिष्ठाता	-	अध्यक्ष
(ग)	कुलपति द्वारा नामित तीन खेल-कूद प्रभारी	-	सदस्य
	संकाय सदस्य		
(घ)	कुलपति द्वारा नामित तीन सांस्कृतिक प्रभारी	-	सदस्य
	संकाय सदस्य		
(ङ)	कुलसचिव	-	सदस्य सचिव

खण्ड— (ग) व (घ) पर नामित सदस्यों की पदावधि 02 वर्ष की होगी।

अनुशासनिक  
समिति

21. (1) कार्य परिषद विश्वविद्यालय में ऐसी अवधि के लिए जिसे वह उचित समझे, एक अनुशासनिक समिति का गठन करेगी, जिसमें कुलपति और उसके द्वारा नाम निर्दिष्ट दो अन्य सदस्य होंगे :-

परन्तु यह कि यदि कार्य परिषद समीचीन समझे तो वह विभिन्न मामलों या विभिन्न श्रेणियों के मामलों पर विचार करने के लिये एक से अधिक अनुशासनिक समिति गठित कर सकती है।

- (2) ऐसा कोई अध्यापक, जिसके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही का कोई मामला लम्बित हो, किसी अनुशासनिक समिति के सदस्य रूप में कार्य नहीं करेगा।
- (3) कार्य परिषद कोई मामला किसी भी अवस्था में एक अनुशासनिक समिति से किसी दूसरी अनुशासनिक समिति को अन्तरित कर सकती है।
- (4) अनुशासनिक समिति के निम्नलिखित कृत्य होंगे:-

  - (क) विश्वविद्यालय के किसी कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत की गयी किसी अपील पर विनिश्चय करना।
  - (ख) ऐसे मामलों में जांच करना, जिसमें विश्वविद्यालय के किसी अध्यापक या पुस्तकालयाध्यक्ष के विरुद्ध जांच विचारधीन हो।
  - (ग) उपर्युक्त खण्ड (ख) में निर्दिष्ट किसी ऐसे कर्मचारी को निलम्बित करने की संस्थानी करना, जिसके विरुद्ध जांच विचारधीन हो।

(घ) ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करना और ऐसी अन्य कृत्यों का निर्वहन करना, जो उसे समय-समय पर कार्य परिषद द्वारा सौंपे जाय।

(5) समिति के सदस्यों में मतभेद होने की दशा में बहुमत का निर्णय प्रभावी होगा।

(6) अनुशासनिक समिति का विनिश्चय या उसकी रिपोर्ट यथाशीघ्र कार्य परिषद के समक्ष रखी जायेगी, जिससे कार्य परिषद मामले में निर्णय ले सके।

एंटी रैगिंग  
समिति

22. (1) विश्वविद्यालय के अधीन संचालित संघटक महाविद्यालय/सम्बद्ध महाविद्यालयों में उच्चतम न्यायालय/यू०जी०सी०/सम्बन्धित नियामक परिषद/भारत/राज्य सरकार के नियमों व प्रावधानों के अन्तर्गत प्रत्येक महाविद्यालय में एक एंटी रैगिंग समिति गठित की जायेगी।

(2) एंटी रैगिंग समिति का गठन सम्बन्धित महाविद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा किया जाएगा।

(3) समिति समय-समय पर उच्चतम न्यायालय/यू०जी०सी०/भारत/राज्य सरकार/विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों के अनुपालन में रैगिंग की रोक-थाम हेतु आवश्यक कार्यवाही करेगी तथा रैगिंग का प्रकरण उजागर/संज्ञान में आने पर नियमानुसार त्वरित आवश्यक कार्यवाही करेगी।

(4) प्रत्येक संस्थान की उक्त समिति में कुलपति द्वारा एक-एक नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा।

(5) संस्थान स्तर पर गठित एंटी रैगिंग समिति के निर्णयों के विरुद्ध आवेदन पर अथवा उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों अथवा रख्य के विवेक पर विश्वविद्यालय स्तर पर सुनवाई हेतु एक अपीलीय समिति का गठन किया जाएगा।

(6) अपीलीय समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे:-

(i)	कुलपति	-	अध्यक्ष
(ii)	अधिष्ठाता	-	सदस्य
(iii)	प्रत्येक संकाय के संयोजक	-	सदस्य
(iv)	विधि अधिकारी/कुलपति द्वारा नामित विधि विशेषज्ञ	-	सदस्य
(v) कुल सचिव			सदस्य सचिव

(7) विश्वविद्यालय, कुलपति द्वारा विनिर्दिष्ट आदेश के माध्यम से किसी सम्बद्ध महाविद्यालय/संस्था के प्राधिकारियों के विरुद्ध जांच कर सकता है और कार्यवाही की संस्तुति कर सकता है, जहां उसकी राय हो कि उचित रैगिंग विरोधी क्रिया कलाप नहीं चलाए जा रहे हैं।

महिला उत्पीड़न  
विरोधी समिति

23. (1) विश्वविद्यालय के अधीन संचालित संघटक महाविद्यालय/सम्बद्ध महाविद्यालयों में उच्चतम न्यायालय/यू०जी०सी०/भारत/राज्य सरकार के नियमों व प्रावधानों के अन्तर्गत प्रत्येक महाविद्यालय में एक महिला उत्पीड़न विरोधी समिति गठित की जायेगी।

(2) महिला उत्पीड़न विरोधी समिति का गठन सम्बन्धित महाविद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा किया जाएगा।

(3) समिति समय-समय पर उच्चतम न्यायालय/यू०जी०सी०/भारत/राज्य सरकार/विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों के अनुपालन में महिला उत्पीड़न की रोक-थाम हेतु आवश्यक कार्यवाही करेगी तथा महिला उत्पीड़न का प्रकरण उजागर/संज्ञान में आने पर नियमानुसार त्वरित आवश्यक कार्यवाही करेगी।

(4) प्रत्येक संस्थान की उक्त समिति में कुलपति द्वारा एक-एक महिला नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा।

(5) संस्थान स्तर पर गठित महिला उत्पीड़न विरोधी समिति के निर्णयों के विरुद्ध आवेदन पर अथवा उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों अथवा स्वयं के विवेक पर विश्वविद्यालय स्तर पर सुनवाई हेतु एक अपीलीय समिति का गठन किया जाएगा।

(6) अपीलीय समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे:-

(i) कुलपति	-	अध्यक्ष
(ii) अधिष्ठाता	-	सदस्य
(iii) प्रत्येक संकाय के संयोजक	-	सदस्य
(iv) विधि अधिकारी/ कुलपति द्वारा नामित विधि विशेषज्ञ	-	सदस्य
(v) कुलपति द्वारा नामित दो महिला संकाय	-	सदस्य
(vi) कुल सचिव		सदस्य सचिव

(7) विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों हेतु उच्चतम न्यायालय/ यू०जी०सी०/ भारत/ राज्य सरकार के नियमों व प्राविधानों के अन्तर्गत कुलपति द्वारा एक महिला उत्पीड़न विरोधी समिति गठित की जायेगी।

**संघटक/ संबद्ध महाविद्यालय स्तरीय परीक्षा समिति** 24. (1) प्रत्येक सम्बद्ध/ संघटक महाविद्यालय स्तर पर सम्बन्धित संस्थान के प्राचार्य द्वारा एक परीक्षा समिति का गठन किया जाएगा।

(2) समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे :-

(i) प्राचार्य	-	अध्यक्ष
(ii) विभागों के विभागाध्यक्ष	-	सदस्य
(iii) संकाय प्रभारी परीक्षा	-	सदस्य सचिव

(3) सम्बद्ध/ संघटक महाविद्यालय स्तरीय परीक्षा समिति के निम्नलिखित कर्तव्य एवं दायित्व होंगे:-

- (i) सम्बद्ध/ संघटक महाविद्यालय स्तर पर संचालित पाद्यक्रवार परीक्षाओं संबंधी प्रकरणों पर विचार-विमर्श कर संस्तुति सहित औचित्यपूर्ण प्रस्ताव विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति को प्रस्तुत करना।
- (ii) विश्वविद्यालय परीक्षा समिति के निर्देशानुसार संस्थान स्तर पर परीक्षाओं का संचालन करना।
- (iii) विश्वविद्यालय परीक्षा समिति द्वारा किसी प्रकरण विशेष पर, मांगे जाने पर आख्या/ प्रस्ताव उपलब्ध कराना।
- (iv) विश्वविद्यालय परीक्षा समिति के दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही करना।
- (v) सम्बद्ध/ संघटक महाविद्यालय स्तर पर परीक्षाओं को नकल विहीन एवं पूर्ण पारदर्शिता, गोपनीयता के साथ सम्पादित करवाना।
- (vi) परीक्षाओं का वर्षिक कलेप्डर प्रस्ताव तैयार कर विश्वविद्यालय परीक्षा समिति को प्रस्तुत करना।

**संघटक / संबद्ध महाविद्यालय स्तरीय अकादमिक / शोध समिति**

25. (1) प्रत्येक सम्बद्ध / संघटक महाविद्यालय स्तर पर सम्बन्धित संस्थान के प्राचार्य द्वारा एक अकादमिक / शोध समिति का गठन किया जाएगा।

(2) समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे:-

(i) प्राचार्य	—	अध्यक्ष
(ii) विभागों के विभागाध्यक्ष	—	सदस्य
(iii) संकाय प्रभारी अकादमिक / शोध समिति को निम्नलिखित कर्तव्य एवं दायित्व होंगे:-	—	सदस्य सचिव

(3) सम्बद्ध / संघटक महाविद्यालय स्तरीय अकादमिक / शोध समिति के निम्नलिखित (i) सम्बद्ध / संघटक महाविद्यालय स्तर पर संचालित पाठ्यक्रमार अकादमिक / शोध संबंधी प्रकरणों पर विचार-विमर्श कर संस्तुति सहित औचित्यपूर्ण प्रस्ताव विश्वविद्यालय की शोध समिति एवं संबंधित संकाय समिति को प्रस्तुत करना।

(ii) विश्वविद्यालय की शोध समिति एवं संबंधित संकाय समिति के निर्देशानुसार संस्थान स्तर पर अकादमिक एवं शोध संबंधी कार्यवाहियों का संचालन करना।

(iii) विश्वविद्यालय शोध समिति एवं संबंधित संकाय समिति द्वारा किसी प्रकरण विशेष पर मांगें जाने वार आख्या / प्रस्ताव उपलब्ध कराना।

(iv) विश्वविद्यालय शोध समिति एवं संबंधित संकाय समिति के दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही करना।

(v) संबंधित पाठ्यक्रम हेतु वार्षिक शैक्षिक कलेप्डर का प्रस्ताव तैयार कर विश्वविद्यालय संकाय समिति को प्रस्तुत करना।

(vi) सम्बद्ध / संघटक महाविद्यालय स्तर पर शोध संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक कार्यवाही करना।

### अध्याय – पाँच

#### सम्बद्धता

**महाविद्यालय सम्बद्धता की**

26. (1) विश्वविद्यालय को अपने अधीन अन्य महाविद्यालय / संस्थान को जो अधिनियम के अन्तर्गत शर्तें पूर्ण करते हो, को सम्बद्ध करने का अधिकार होगा।

(2) महाविद्यालयों / संस्थानों की सम्बद्धता व असम्बद्धता एवं निरीक्षण रिपोर्ट अधिनियम की धारा 36, 37 व 38 के अन्तर्गत दिये गये मानकों के अनुरूप व भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अन्तर्गत की जायेगी।

(3) सम्बद्धता का प्रत्याहरण अधिनियम के की धारा 39 के अन्तर्गत किया जायेगा।

अध्याय - छ:विश्वविद्यालय के अध्यापकों/अन्य कर्मचारियों की सेवा शर्तें और प्रतिबन्ध

संख्या और संवर्ग 27. (1) विश्वविद्यालय/विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय/महाविद्यालयों में संकाय सदस्यों व अन्य कर्मचारी निम्नलिखित होंगे:-  
संरचना

- (क) परिसर निदेशक/प्राचार्य
- (ख) विभागाध्यक्ष
- (ग) प्रोफेसर
- (घ) एसोसिएट प्रोफेसर।
- (ड) असिस्टेन्ट प्रोफेसर।
- (च) अन्य कर्मचारीगण
- (इ) चिकित्सा अधीक्षक
- (इ) सीनियर रेजीडेन्ट
- (iii) जूनियर रेजीडेन्ट / ट्यूटर।
- (iv) लाइब्रेरी असिस्टेन्ट।
- (v) लिपिक वर्ग के समस्त पद।

(vi) उपरोक्त के अतिरिक्त संघटक महाविद्यालय हेतु आवश्यकतानुसार पदनाम जो कार्यपरिषद द्वारा पद स्वीकृत किये जायेंगे, वे भी समाहित माने जायेंगे।

(2) विश्वविद्यालय/विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं अन्य शिक्षणेत्तर कार्मिकों के पदों की संख्या संबंधित नियामक परिषद द्वारा निर्धारित मानकानुसार होगी, तथा इनकी अर्हताएं भी संबंधित नियामक परिषद द्वारा निर्धारित मानकानुसार होगी।

(3) सीनियर रेजीडेन्ट, जूनियर रेजीडेन्ट/ट्यूटर की अर्हताएं वहीं होगी जो संबंधित नियामक परिषदों द्वारा निर्धारित की जाये।

(4) विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर उपरोक्तानुसार स्वीकृत शिक्षणेत्तर अधिकारी व कर्मचारी के अन्य पदों जिनके पदनाम शासन स्तर पर अन्य विभागों में उपलब्ध है, हेतु उनकी अर्हता, वेतन व शर्तें तदानुसार अंगीकृत की जाएगी, तथा जो पदनाम अन्य विभागों में उपलब्ध नहीं है तथा विश्वविद्यालय की आवश्यकता को देखते हुए शासन द्वारा स्वीकृत है या किये जाएंगे, की अर्हता व सेवा शर्ते कार्यपरिषद द्वारा निर्धारित की जाएगी।

उपरोक्त समस्त पदों के कार्यदायित्व एवं शक्तियां कार्यपरिषद द्वारा निर्धारित की जाएगी।

उपरोक्त समस्त पदों पर चयन इस विनियमावली द्वारा निर्धारित विश्वविद्यालय की संबंधित चयन समिति के माध्यम से संबंधित संवर्ग के सुसंगत सेवा नियमावली के अनुसार किया जाएगा।

रिक्तियों की अवधारणा	28.	कुलसचिव वर्ष के दौरान भरे जाने वाली रिक्तियों की संख्या अवधारित करेगा तथा प्रवृत्त नियमों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग व आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिये आरक्षित किये जाने वाली रिक्तियों की संख्या भी अवधारित करेगा और उसे अनुमोदन के लिये नियुक्ति प्राधिकारी (कुलपति) को सूचित करेगा।
रिक्तियों का विज्ञापन	29.	कुलसचिव नियुक्ति प्राधिकारी के अनुमोदन के पश्चात व्यापक प्रचार-प्रसार कर (दैनिक समाचार पत्रों में) विज्ञापन प्रकाशित कर रिक्तियों को अधिसूचित करेगा।
चयन हेतु समिति	30. (1)	समूह 'ख' श्रेणी के कर्मचारियों के लिये चयन समिति निम्नवत होगी :-
		क. कुलपति — अध्यक्ष।
		ख. कुलपति द्वारा नामित कोई एक आमंत्रित सदस्य — सदस्य।
		ग. कुलपति द्वारा नामित प्रभाग प्रभारी — सदस्य।
		घ. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग का एक कुलपति द्वारा नामित अधिकारी — सदस्य।
		ड. कुलसचिव — सदस्य सचिव।
	(2)	समूह 'ग' श्रेणी के कर्मचारियों के लिये चयन समिति निम्नवत होगी :-
		(क) कुलपति/ कुलपति द्वारा नामित अधिकारी — अध्यक्ष।
		(ख) कुलपति द्वारा नामित कोई एक आमंत्रित सदस्य — सदस्य।
		(ग) कुलपति द्वारा नामित प्रभाग प्रभारी — सदस्य।
		(घ) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग का एक कुलपति द्वारा नामित अधिकारी — सदस्य।
		(ड) कुलसचिव — सदस्य सचिव।
नियुक्ति प्राधिकारी	31.	विश्वविद्यालय में सूचित पदों में से ऐसे पद जिनका नियुक्ति प्राधिकारी राज्यपाल, प्रमुख सचिव/सचिव, चिकित्सा स्वारक्ष्य एवं चिकित्सा शिक्षा है, को छोड़कर अन्य समस्त पदों के नियुक्ति प्राधिकारी कुलपति होंगे।
भर्ती प्रक्रिया	32.	संवर्गीय पदों पर सीधी भर्ती खुले चयन द्वारा संबंधित संवर्ग की सुसंगत सेवा नियमावलियों के अनुरूप विश्वविद्यालय चयन समिति की संस्तुतियों पर की जायेगी।
		<u>अध्याय – सात:</u>
		<u>उपाधियाँ एवं डिप्लोमा प्रदान करना और वापस लेना</u>
		<u>(अधिनियम की धारा-26 की उपधारा-(1)) देखें</u>
उपाधियाँ, डिप्लोमा आदि प्रदान करना	33. (1)	ऐसे व्यक्तियों को जिन्होंने चिकित्सा विज्ञान, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा पद्धति, संबद्ध क्षेत्र में विशेष योगदान दिया हो या विशेष कार्य किया हो अथवा जिन्होंने

और वापस लेना

चिकित्सा शिक्षा / सम्बद्ध (एलाइंड) शिक्षा के लिये उल्लेखनीय सेवा की हो, पी०एच०डी०, डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी०लिट०), डॉक्टर ऑफ साईंस (डी०एस०सी०) अथवा मानद उपाधि प्रदान की जा सकेगी।

(2) कार्य परिषद स्वःप्रेरण से अथवा शैक्षिक परिषद की सिफारिश पर, जो उसकी कुल सदस्यता के बहुमत तथा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों की कम से कम 1/2 बहुमत से पारित संकल्प द्वारा पारित की जाय।

मानद उपाधि प्रदान करने का प्रस्ताव कुलाधिपति को पुष्टि के लिये प्रस्तुत कर सकेगी :

परन्तु यह कि किसी ऐसे व्यक्ति के सम्बन्ध में, जो विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी या निकाय का सदस्य हो, ऐसा प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया जायेगा।

(3) विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त या स्वीकृत किसी उपाधि, डिप्लोमा या प्रमाण पत्र को वापस लेने के लिये कोई कार्यवाही करने के पूर्व सम्बन्धित व्यक्ति को उसके विरुद्ध लगाये गये आरोपों को स्पष्ट करने के लिये अवसर दिया जायेगा। कुलसंघित उसके विरुद्ध निर्मित आरोपों की सूचना रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजेगा और सम्बन्धित व्यक्ति से अपेक्षा की जायेगी कि वह आरोपों की प्राप्ति से कम से कम 15 दिनों की अवधि के अन्दर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।

(4) मानद उपाधि को वापस लेने के प्रत्येक प्रस्ताव पर कुलाधिपति की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित होगी।

### अध्याय – आठः

#### दीक्षान्त समारोह

दीक्षान्त समारोह

34. (1) विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और शिक्षा सम्बन्धी अन्य विशिष्टायें प्रदान करने के लिये वर्ष में एक बार ऐसे तारीख और समय, जैसा कार्य परिषद इस निमित नियत करें, एक दीक्षान्त समारोह आयोजित किया जा सकेगा।

(2) कुलाधिपति के पूर्वानुमोदन से, विश्वविद्यालय द्वारा कोई विशेष दीक्षान्त समारोह आयोजित किया जा सकेगा।

(3) दीक्षान्त समारोह में वे विनिर्दिष्ट व्यक्ति होंगे, जिनसे विश्वविद्यालय का नियमित विकास गठित हो।

(4) प्रत्येक संस्था या महाविद्यालय में ऐसी तारीख को और ऐसे समय, जैसा प्राचार्य कुलपति के लिये पूर्वानुमोदन से नियत करें, स्थानीय दीक्षान्त समारोह आयोजित किया जा सकेगा।

(5) इस अध्याय में निर्दिष्ट दीक्षान्त समारोह में पालन की जाने वाली प्रक्रिया और इससे सम्बन्धित अन्य विषय ऐसे होंगे, जैसे अध्यादेशों में निर्धारित हो।

(6) जहाँ विश्वविद्यालय/संस्था/महाविद्यालय के दीक्षान्त समारोह आयोजित करना सुविधाजनक न हो वहाँ उपाधि, डिप्लोमा और अन्य शिक्षा सम्बन्धी विशिष्टता सम्बद्ध अभ्यर्थियों को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजी जा सकेगा।

अध्याय – नौवार्षिक प्रतिवेदन**वार्षिक प्रतिवेदन**

35. (1) विश्वविद्यालय द्वारा कार्य परिषद के निर्देशों के अधीन तैयार की गयी वित्तीय वर्ष की वार्षिक प्रतिवेदन, प्रत्येक कलेज्डर वर्ष के 30 सितम्बर को या उसके पूर्व कुलाधिपति को प्रस्तुत की जायेगी।

अध्याय – दसविनियम**विनियम**

36. (1) प्रथम विनियम के सिवाय समस्त विनियम कार्य परिषद द्वारा बनाये जायेंगे।

(2) इस विनियम में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय कार्य परिषद समय-समय पर नये या अतिरिक्त विनियम बना सकेगी या अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट विनियम का संशोधन या निरसन कर सकेगी:

परन्तु यह कि ऐसा कोई विनियम बनाया, संशोधित या निरसित नहीं किया जायेगा, जिससे—

- (क) छात्रों के प्रवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े या जो विश्वविद्यालय के परीक्षाओं के समतुल्य मान्यता दी जाने वाली परीक्षायें अथवा विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों के प्रवेश के लिए और अधिक अहंताओं को प्रभावी करें,
- (ख) परीक्षकों के नियुक्ति की शर्तों तथा रीति और उनके कर्तव्यों तथा परीक्षाओं या सम्बन्धित शाखा के प्रस्ताव के सिवाय और जब तक कि ऐसे विनियम का प्रारूप विद्या परिषद द्वारा प्रस्तावित न किया हो, किसी पाठ्यक्रम के संचालन या स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो, या
- (ग) विश्वविद्यालय के अध्यापकों की संख्या अहंताओं तथा परिलक्षियों अथवा विश्वविद्यालय की आय या व्यय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े, जब तक की उसका प्रारूप राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित न कर दिया गया हो।

(3) कार्य परिषद को विनियम-14 के अधीन शिक्षा परिषद द्वारा प्रस्तावित किसी प्रारूप को संशोधित करने की शक्ति नहीं होगी, किन्तु वह उसे अस्वीकार कर सकेगी या उसे शिक्षा परिषद को पूर्णतः अथवा भागतः पुनः विचारार्थ किसी ऐसे संसाधनों के साथ वापस कर सकेगी जिसका कार्य परिषद सुझाव दें।

(4) कार्य परिषद द्वारा बनाये गये सभी विनियम ऐसी तारीख से प्रभावी होंगे जैसा वह निर्देश दें और यथाशीघ्र कुलाधिपति को प्रस्तुत किये जायेंगे।

(5) कुलाधिपति किसी समय कार्य परिषद को विनियम-14 में निर्दिष्ट विनियम से बनाये गये भिन्न विनियम को अस्वीकृति से सूचित कर सकेगा और कार्य परिषद को ऐसी अस्वीकृति की सूचना प्राप्त होने की तारीख से ऐसे विनियम शून्य हो जायेंगे।

(6) कुलाधिपति यह निर्देश दे सकेगा कि विनियम-14 में निर्दिष्ट विनियम से भिन्न किसी विनियम का परिवर्तन तब तक निलंबित रहेगा, जब तक उसे विनियम को अस्वीकृत करने की अपनी शक्ति का प्रयोग करने का अवसर न मिला हो। इस विनियम के अधीन निलंबन का कोई आदेश आदेश की तारीख से एक मास की समाप्ति पर प्रभावी नहीं होगा।

नियमों का बनाया  
जाना

37. (1) इस अधिनियम तथा विनियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए विश्वविद्यालय का कोई प्राधिकारी निम्नलिखित के लिये नियम बना सकेगा:-

- (क) बैठकों में अपनायी जाने वाली प्रेक्षिया तथा गणपूर्ति के लिये अपेक्षित सदस्यों की संख्या अधिकथित करना,
- (ख) ऐसे समस्त विषयों का प्राविधान करना, जो अधिनियम एवं विनियम द्वारा विहित किये जाने हों,

(2) विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी द्वारा बनाये गये विनियमों में उसके सदस्यों को बैठकों की तारीख, और उनमें किये जाने वाले कार्य की सूचना देने तथा ऐसी बैठकों में किये जाने वाले काम-काज का अभिलेख रखने का भी प्राविधान किया जायेगा।

(3) कार्य परिषद विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी को यह निर्देश दे सकेगी कि वह ऐसे प्राधिकारी या निकाय द्वारा बनाये गये किसी भी नियम को रद्द कर दें या उसमें ऐसे रूप में संशोधन कर दें, जैसा निर्देश में विनिर्दिष्ट किया जाये, और तदुपरान्त ऐसा प्राधिकारी तदनुसार नियम को रद्द करेगा अथवा उसमें संशोधन करेगा,

परन्तु यह कि यदि विश्वविद्यालय के किसी प्राधिकारी का समाधान किसी ऐसे निर्देश से न हो तो वह कुलाधिपति को अपील कर सकता है, जो कार्य परिषद के विचार प्राप्त कर लेने के पश्चात ऐसा आदेश दे सकेगा, जो वह उचित समझें।

(4) विनियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुये, विद्या परिषद विश्वविद्यालय की किसी परीक्षा, उपाधि या डिप्लोमा के पात्रकर्मों की व्यवस्था करने के लिए सम्बन्धित विद्या शाखा बोर्ड के द्वारा उसके प्रारूप प्रस्तावित किये जाने के पश्चात ही विनियम बना सकेगी।

(5) विद्या परिषद को उपविनियम (3) के अधीन कार्यपरिषद द्वारा प्रस्तावित, किसी प्रारूप में संशोधन अथवा उसे अस्वीकार करने की शक्ति न होगी, किन्तु वह उसे कार्य परिषद को अपने सुझावों के साथ विचार करने के लिए वापस कर सकेगी।

आदिसूचना सं०-३६३/XXVIII(५)/२०२०-१३(सामान्य)२०१९ दिनांक १२-०५-२०२०

परिशिष्ट- क

### हेमवती नन्दन बहुगुण चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय

(क) शासनादेश संख्या 275(1) / XXVIII(1) / 2014-68 / 2013 दिनांक 22 जनवरी, 2014 तथा शासनादेश संख्या-2028 / xxviii(1) / 2015-02(सामान्य) / 2014 दिनांक 06 जून 2015 द्वारा स्वीकृत पद।

क्र० स०	पदनाम	छठवें वेतनमान/ ग्रेड ऐ	सातवें वेतनमान लेवल	पाँचवें की संख्या	शैक्षिक योग्यता	भर्ती का श्रोत	
01	कुलसचिव	16600-39100 ग्रेड ७ & 6600	66700-206700 (लेवल-11)	01	(1)अनिवार्य (क)शैक्षिक- भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष उपाधि। अध्यर्थी को हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा का समूचित ज्ञान होना चाहिए। (ख)अनिवार्य- किसी विश्वविद्यालय, राज्य सरकार के उच्च शिक्षण संस्थान/चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालय में (रु० ५६१००-१७७५०० लेवल-10) के अथवा उससे अधिक वेतनमान में परीक्षा, प्रशासनिक एवं पर्याकृतीय स्तर का 15 वर्ष का अनुभव।	7	सीधी भर्ती/ प्रतिनिधित्वित

किसी विश्वविद्यालय अथवा चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालय में न्यूनतम 15 वर्ष का शिक्षण अनुभव।

(2) अधिकारी अहंता :

(क) प्रारन्नातक उपाधि अथवा राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उपाधि अथवा कोई समकक्ष उपाधि।  
(ख) अन्य बातों के समान रहने पर ऐसे अध्यर्थी को वरिष्ठता दी जायेगी, जिन्हें विश्वविद्यालय में परीक्षा कार्य करवाने अथवा उससे सम्बद्ध रहने तथा

क्रम संख्या	पदनाम	छठवें वेतनमान/ग्रेड पे	सातवें वेतनमान/ग्रेड पे	पदों की संख्या	शैक्षिक योग्यता		भर्ती का श्रोत	
					6	7		
1	2	3	4	5	विश्वविद्यालय प्राधिकारियों से संबंधित कार्य, पत्र लेखन में उत्कृष्ट कार्य का अनुभव, वित्तीय तथा लेखा संबंधी कार्यों का अनुभव, जनसंपर्क से संबंधित कार्यों के विषयादान एवं समस्याओं के निस्तारण का अनुभव हो।	विश्वविद्यालय प्राधिकारियों से संबंधित कार्य, पत्र लेखन में उत्कृष्ट कार्य का अनुभव, वित्तीय तथा लेखा संबंधी कार्यों का अनुभव, जनसंपर्क से संबंधित कार्यों के विषयादान एवं समस्याओं के निस्तारण का अनुभव हो।	रीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति/	
02	परीक्षा नियंत्रक	15600—39100 ग्रेड पे 6600	66700—206700 (लिवल—11)	01	(1)अनिवार्य- (क)शैक्षिक— भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से स्नातक की उपायिता अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष उपायिति। अवश्यकी को हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा का समृच्छा ज्ञान होना चाहिए। (ख)अनुनयन— किसी विश्वविद्यालय, सरकार के किसी उच्च शिक्षण संस्थान/चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालय में (₹५० ५६१००—१७७५०० लेवल—१०) के अथवा उससे अधिक वेतनमान में परीक्षा, प्रशासनिक एवं पर्यावरणीय स्तर का 15 वर्ष का अनुभव।	विश्वविद्यालय प्राधिकारियों से संबंधित कार्य, पत्र लेखन में उत्कृष्ट कार्य का अनुभव, वित्तीय तथा लेखा संबंधी कार्यों का अनुभव, जनसंपर्क से संबंधित कार्यों के विषयादान एवं समस्याओं के निस्तारण का अनुभव हो।	विश्वविद्यालय प्राधिकारियों से संबंधित कार्य, पत्र लेखन में उत्कृष्ट कार्य का अनुभव, वित्तीय तथा लेखा संबंधी कार्यों का अनुभव, जनसंपर्क से संबंधित कार्यों के विषयादान एवं समस्याओं के निस्तारण का अनुभव हो।	रीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति/
03	वित्त अधिकारी	15600—39100 ग्रेड पे 5400	56100—177500 (लिवल—10)	01	वित्त सेवा से।	उत्तराखण्ड राज्य के विभाग द्वारा	रीधी भर्ती	
04	सिस्टम मैनेजर	15600—39100 ग्रेड पे 5400	56100—177500 (लिवल—10)	01	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एम.सी.ए./कम्प्यूटर साईंस में पासस्नातक की उपायिति के साथ कम से कम ०५ वर्ष का सम्बद्धित क्षेत्र में राज्य सरकार के किसी विश्वविद्यालय/उच्च शिक्षण संस्थान का कार्यनिभाव।	उत्तराखण्ड राज्य के राजकीय बोर्डकल कॉर्टेजों/ चिकित्सा शिक्षा विभाग में नियमित रूप से कार्यरत ऐसे कार्यिक जो Hospital Information System / Academic / Exam portal सम्बन्धी कार्यों का अनुभव रखते हो एवं वेतनमान (₹० ४७६००—१५१०० लेवल—४) के अथवा उससे अधिक वेतनमान में १० वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, में से समयोजन/स्थाई सेवा राज्यनायकरण के माध्यम से।	अथवा	

क्र० सं०	पदनाम	छठवें वेतनमान/ ग्रेड पे	सातवें वेतनमान लेवल	पदों की संख्या	शैक्षिक योग्यता	भर्ते को श्रोत
1	2	3	4	5	6	7
05	शास्त्र अधिकारी	15600—39100 ग्रेड पे 5400	56100—177500 (लेवल—10)	02	विश्वविद्यालय कार्यपालिका की सातवीं लेवल के अनुमति अनुमति अनुमति अनुमति / चिकित्सा प्रबन्धन से स्पृष्टकालिक 02 वर्षीय चिकित्सालय/चिकित्सा प्रशासन का चिकित्सालय/चिकित्सा प्रबन्धन में स्नातकोत्तर उपाधि । 1—किसी भान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्पृष्टकालिक 02 वर्षीय अथवा विषय/प्रबन्धन में नेट उत्तीर्ण अथवा विषय/प्रबन्धन में पी.एच.डी. 2—विषय/प्रबन्धन में नेट उत्तीर्ण अथवा विषय/प्रबन्धन में पी.एच.डी. 3—परानात्मक उपाधि के उपरान्त किसी शैक्षणिक संस्थान/संस्थानों अथवा 100 शैक्षणिक संस्थान/चिकित्सालय/ चिकित्सालयों में 01 वर्ष का शैक्षिक/शोध/प्रशासनिक अनुभव अथवा प्रधान/सहयोगी लेखक के रूप में इन्डेक्स जरनल में प्रकाशन रखने वाले को वरियता दी जायेगी।	सीधी भर्ती
06	उप परीक्षा नियंत्रक	15600—39100 ग्रेड पे 5400	56100—177500 (लेवल—10)	01	1—अनिवार्य (क) शैक्षिक :- भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि। (ख) अनुमति— हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा का समृद्धित ज्ञान। उत्त्व अनुमति— साजकीय कार्यालय अथवा राज्य सरकार के किसी विश्वविद्यालय/उत्त्व शिक्षण संस्थान/चिकित्सा संस्था यहांविद्यालय में हिन्दी तथा अंग्रेजी में पत्रलेखन तथा परिक्षा संबंधी कार्य करने का कम से कम 10 वर्ष का अनुभव।	सीधी भर्ती / प्रतिनियुक्ति
07	उप कुलसचिव (परीक्षा/प्रशासन)	15600—39100 ग्रेड पे 5400	56100—177500 (लेवल—10)	01	गोलिक रूप से नियुक्त सहायक कुलसचिव, जिन्होंने 05 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो।	पदोन्नति द्वारा
08	सहायक कुलसचिव /रिकार्ड लीगल	9300—34800 ग्रेड पे 4200	35400—112400 (लेवल—06)	01	अनिवार्य — (क) शैक्षिक :- भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि हिन्दी तथा अंग्रेजी भाषा का समृद्धित ज्ञान। (ख) अनुमति — राजकीय कार्यालय अथवा किसी विश्वविद्यालय में हिन्दी तथा अंग्रेजी में पत्र लेखन तथा लेखा नियर्यों का कार्य करने का कम से कम 07 वर्ष का अनुभव।	सीधी भर्ती

ક્રમ સંખ્યા	પદનામ	છર્ટર્બે	સાતવે	પર્દો કી સંખ્યા	શિક્ષિક યોગયતા	ભર્તી કા શ્રોતુનાની
1	2	3	4	5	6	7
09	કૈવિતિક અધિકારી	9300—34800 ગ્રેડ પે 4600	44900—142400 (લેવલ—07)	01	અધીનાથ કાર્યાલય વૈયક્તિક સહાયક સંવર્ગીય કર્મચારી સેવા (સીધી ભર્તી) નિયમાવલી, 2018 (સમય—સમય પર યથ સંશોધિત) કે અનુસાર	પદોન્નતિ
10	કૈવિતિક સહાયક ગ્રેડ—2 (પરિવર્તિત પદનામ— વરિષ્ઠ વૈયક્તિક સહાયક)	5200—20200 ગ્રેડ પે 4200	35400—112400 (લેવલ—06)	01	અધીનાથ કાર્યાલય વૈયક્તિક સહાયક સંવર્ગીય કર્મચારી સેવા (સીધી ભર્તી) નિયમાવલી, 2018 (સમય—સમય પર યથ સંશોધિત) કે અનુસાર	પદોન્નતિ
11	આશ્રિતિક (પરિવર્તિત પદનામ— વૈયક્તિક સહાયક)	5200—20200 ગ્રેડ પે 2800	29200—92300 (લેવલ—05)	01	અધીનાથ કાર્યાલય વૈયક્તિક સહાયક સંવર્ગીય કર્મચારી સેવા (સીધી ભર્તી) નિયમાવલી, 2018 (સમય—સમય પર યથ સંશોધિત) કે અનુસાર	સીધી ભર્તી
12	સહાયક લેખાધિકારી	9300—34800 ગ્રેડ પે 4800	47600—151100 (લેવલ—08)	01	ઉત્તરાખણ્ડ રાજ્ય મેં લેખા સંવર્ગ હેતુ પ્રવલિત નિયમાવલી કે અનુસાર	ઉત્તરાખણ્ડ રાજ્ય કે વિત્ત વિભાગ દ્વારા
13	લેખાકાર	9300—34800 ગ્રેડ પે 4200	35400—112400 (લેવલ—06)	03	ઉત્તરાખણ્ડ રાજ્ય મેં લેખા સંવર્ગ હેતુ પ્રવલિત નિયમાવલી કે અનુસાર	સીધી ભર્તી / પદોન્નતિ દ્વારા
14	સહાયક લેખાકાર	5200—20200 ગ્રેડ પે 2800	29200—92300 (લેવલ—05)	06	ઉત્તરાખણ્ડ રાજ્ય મેં લેખા સંવર્ગ હેતુ પ્રવલિત નિયમાવલી કે અનુસાર	સીધી ભર્તી
15	પ્રશાસનિક અધિકારી	9300—34800 ગ્રેડ પે 4600	44900—142400 (લેવલ—07)	01	ઉત્તરાખણ્ડ રાજ્ય મેં લિપિક સંવર્ગ હેતુ પ્રવલિત સીધી ભર્તી / પદોન્નતિ નિયમાવલી કે અનુસાર	પદોન્નતિ
16	વરિષ્ઠ સહાયક	5200—20200 ગ્રેડ પે 2800	29200—92300 (લેવલ—05)	06	ઉત્તરાખણ્ડ રાજ્ય મેં લિપિક સંવર્ગ હેતુ પ્રવલિત સીધી ભર્તી / પદોન્નતિ નિયમાવલી કે અનુસાર	પદોન્નતિ
17	કાળિષ્ઠ સહાયક / ડાટા એન્ટ્રી આપેસ્ટર	5200—20200 ગ્રેડ પે 2000	21700—69100 (લેવલ—03)	13	ઉત્તરાખણ્ડ રાજ્ય મેં લિપિક સંવર્ગ હેતુ પ્રવલિત સીધી ભર્તી / પદોન્નતિ નિયમાવલી કે અનુસાર	સીધી ભર્તી

क्रम संख्या	पदनाम	छठवर्वे वेतनमान/ ग्रेड पे	सातवर्वे वेतनमान/ लेवल	पदों की संख्या	शैक्षिक योग्यता	भती का श्रोता
1	2	3	4	5	6	7
18	स्टोर कीपर	5200-20200 ग्रेड पे 1900	19300-63200 (लेवल-02)	01	उत्तराखण्ड राज्य में स्टोर कीपर संबंधी हेतु प्रचलित संघीय भती/पदोन्नति नियमाबदी के अनुसार।	सीधी भती
19	डाक वाहक / इलेक्ट्रोशियन / प्लान्चर / कम्प्यूटर टेक्निशियन / चाउर्स श्रेणी / अनुसेवक / वाहनचालक / सुरक्षा कर्मी / सफाई कर्मी			21	आउटसोर्स	आउटसोर्स

आज्ञा से,

नितेश कुमार आ,  
सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of "the Constitution of India", the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 363/XXVIII(5)/2020-13(સામાન્ય)/2019 Dehradun, dated May 12, 2020 for general information.

#### NOTIFICATION

#### Miscellaneous

May 12, 2020

**No. 363/XXVIII(5)/2020-13(સામાન્ય)/2019**--In exercise of the powers conferred by Section 26 of the Hemwati Nandan Bahuguna Medical Education University Act, 2014 (Act No. 5 of 2014), the Governor is pleased to makes the following first regulations of the Hemwati Nandan Bahuguna Medical Education University :-

### **Hemwati Nandan Bahuguna Medical Education University First Regulations, 2020**

#### **Chapter I- Preliminary**

##### **Short title and Commencement**

1. (1) These regulations may be called the Hemwati Nandan Bahuguna Medical Education University First Regulations, 2020.  
 (2) These regulations shall come into force from the date of its publication in official Gazette.

##### **Definitions**

2. (1) In these regulations, unless the subject or context otherwise requires:-  
 (a) 'Act' means the Hemwati Nandan Bahuguna Medical Education University Act, 2014;  
 (b) 'Section' means any Section of the Act;  
 (c) 'University' means the Hemwati Nandan Bahuguna Medical Education University; and  
 (d) 'Selection Committee' means the Selection Committee constituted under University from time to time;  
 (2) The words and terms used in the Act but not defined in these regulations shall have the same meaning as assigned to them in the Act.

## Chapter II

### University

**Establishment and incorporation of the University**

3. The University shall be competent to conduct research work like Ph.d./ D.S.C/ D.lit or other research projects by its own or through affiliated colleges along with conducting graduation and post graduation and other certificate/ fellowship programme/ courses in Medical, Dental, Nursing, Paramedical and allied subjects.

## Chapter III

### Officers of the University

**The Chancellor**

4. (1) The Chancellor may call for any document or information from the University or concerned parties which he deemed necessary while considering any matter referred to him under section 39 and may call for any document or information from University in other case and may pass such order as he may think proper.

(2) The Chancellor may appoint any appropriate person on the office of Vice-chancellor for not more than six months, as he may specify in any of the following conditions:-

- (a) Where the office of Vice-chancellor is vacant or is apprehend to be vacant due to long vacation or resignation or cessation of tenure or any other reason.
- (b) Where the office of Vice-chancellor becomes vacant and it could not be filled up with convenience and soon according to the provision of subsection (3) of section 10.
- (c) In any emergency situation:

Provided that the Chancellor may, from time to time, increase the tenure of appointment of any person to the office of Vice-chancellor under these regulations, from time to time but the tenure of such appointment shall not exceed period of one year, which includes the period prescribed in the original order.

(3) If in the opinion of the Chancellor, the Vice-Chancellor

does not implement or refuses to implement the provisions of Act knowingly or misuses the powers vested in him or if Chancellor is otherwise satisfied that it is detrimental for the University to hold the office of Vice chancellor, the Chancellor, may remove the Vice-chancellor by order, after such inquiry as he may deem fit.

(4) During the pendency of any inquiry under sub regulation (3), the Chancellor may order that until otherwise order is given—

- (a) Such Vice-chancellor shall abeyance from performing the work of office of Vice chancellor but he shall get the emoluments, for which he was entitled.
- (b) The functions of the post of Vice-chancellor shall be discharged by the person specified in the order.

(5) The Chancellor shall nominate a representative as subject specialists in the Selection Committee constituted for appointment and promotion of Faculty member/employees of the University.

**Powers and duties  
of Vice-chancellor**

5. (1) Under ub section (19) of Section 11 of the Act, other powers and functions of the Vice-chancellor shall be following—

The Vice-chancellor shall be a full time principal executive and academic officer of the University.

(2) The Vice-chancellor shall e the Appointing Authority and penal officer of all other personnel's except the Registrar and Examination Controller of the University under the Act and these Regulations.

(3) The Vice-chancellor shall take necessary action to receive financial grant from National, International Agencies and State Government and Central Government.

(4) To constitute Committees/ sub committees as per necessity for the implementation of powers and duties conferred in the Act/ Regulations for the fulfillment of

the purposes of the University and take necessary action on the recommendation of such committee/ Sub Committee and to exercise all such other powers and to perform all such other functions which may entrusted to him by the Executive Counsel and Chancellor, from time to time.

- (5) The Vice chancellor may appoint such persons, who may deem necessary for the proper functions of the University on the recommendation of the selection committee or until a permanent arrangement is made, on temporary basis for a short term not more than maximum 11 months on such honorarium as deemed necessary by the finance committee, such appointments shall be approved by the executive council:

Provided that such appointment shall never be made without the permission of the Government.

- (6) The Vice chancellor shall inspect and evaluate the works concerned with academic and medical faculties in the Hospital from time to time in all Government educational institutions affiliated from the University for the performance of the liability of Chief Educational Officer according to the provision mentioned in section 10 of Chapter III of the Act and after preparing detailed inspection report, shall make available to the Government. While the annual evaluation of the Principal/ Medical Superintendent of the concerned Government institution this inspection report shall be considered by the Government.

- (7) The Vice chancellor shall represent the University at the National and International level/ forums in the field of medical education (such as in research, seminar and workshop etc.) The expenditure to be incurred for this purpose shall be borne by the University considering it work holiday. Policy and detailed conditions/ rules for this purpose shall be determined by the finance committee and executive council.

(8) The Vice chancellor, as a head administrative officer under Chapter III of the Act, shall be the chairman of the "Central Hospital Management Committee" constituted to improve the quality of associated teaching hospitals of the Government medical colleges. This Board shall, after extensive discussion on topics like providing uniform facilities, improving the quality, patient care policy formation etc. in the hospitals, cause to implement the decisions and suggestions/ proposals shall be forwarded to the Government if required.

The committee shall be constituted as follows—

- 1- The Vice chancellor, H.N.B. Medical Education University- Chairman;
- 2- Director, Medical Education Directorate- Member;
- 3- Representative nominated by the Secretary, Medical Education- Member;
- 4- All Principals, Government Medical College- Member;
- 5- All Medical Superintendent, Government Medical College- Member;
- 6- Medical Superintendent, Government Doon Medical College- Member-Secretary;
- (9) All such other duties which may directs by the level of executive council, Government and the Chancellor from time to time.

**The Registrar**

6. (1) The Registrar shall be a fulltime Chief executive officer of the University and shall be appointed by the State Government according to the arrangement given in the provision of section 12 of the Act. The minimum qualification of the Registrar shall be such as may be prescribed by the Higher Education department of the State of Government for the Registrar of other Universities of the State:

Provided that if the State Government is unable to appoint the Registrar for any reason or the post

remains vacant, the State Government with consultation of the Vice Chancellor, may decide to appoint any officer on deputation.

(2) The Registrar shall work in direct direction, supervision and control of the Vice chancellor.

(3) Other powers, duties and function of the Registrar under sub-section (11) of the Section 12 of the Act shall be as follows—

(i) To be the custodian of the entire property of the University unless other arrangement have been made by the executive Council.

(ii) Issuing all information for convening the meeting and keeping minutes of all such meeting of various authorities with the approval of the Chairman of the authority or competent authority.

(iii) Issuing after signing on correspondence at the University level.

(iv) To exercise all such powers, which are necessary or expedient for the execution or orders of the Chancellor, Vice chancellor or various authorities or bodies of the University for whom he works as a secretary.

(v) To represent the University in the suit or proceeding by or against the University, to sign the power of attorney to verify the representation.

(vi) The Registrar shall discharge all official/administrative functions and liabilities given by section 12 of the Act.

(vii) All such other works as may directs by the Vice chancellor from time to time.

(4) Scale of pay and academic qualification of the Registrar shall be according to the Appendix (A).

**The Controller of  
Examinations**

7. (1) The Controller of examinations shall be a fulltime officer of the University and shall be appointed by the State Government under the provision of section 13 of

the Act and the qualification shall be according to the appendix "A" of these regulations

- (2) The Controller of examinations shall work in the direct directions, supervision and control of the Vice chancellor.
- (3) The Controller of examinations shall conduct the examinations with full confidentiality as per the standards fixed by the concerned standards council and shall be responsible for it.
- (4) The Controller of examination shall also comply with all functions, duties mentioned in the provision of section 13 of the Act.
- (5) Shall conduction the meetings of the examination committee after the approval of the Vice chancellor.
- (6) All such other functions as entrusted by the Vice-chancellor/ executive council from time to time.

8. In addition to the duties provided in the Act, the Finance Officer shall have the following powers and duties—

- (i) The Finance Officer shall work in direct supervisions direction and control of the Vice-chancellor,
- (ii) To prepare minutes of the meeting of the finance committee and their maintenance;
- (iii) To attend the proceedings related to the financial matter of the bodies constituted by the other authorities of the University;
- (iv) To maintain proper accounts and other documents related to all amount receiving by the University;
- (v) To prepare the annual budget and annual accounts detail and to keep it before the concerned authority of University along with audit report;
- (vi) Supervision of the funds of the University;
- (vii) Consultation on call for advise in any financial matter of the University.

**The Finance  
Officer**

- (viii) To maintain the documents of the funds, properties, investments, endowment properties and trusts;
- (ix) To ensure that the limits of recurring and non recurring expenditure in the annual budget of the University shall not be more than the determined limits and the allocated amount should be spent only for the purposes for which it is sanctioned;
- (x) Monitoring of transaction, bank remnants and investments;
- (xi) Monitoring of progress of revenue collection and advising of planned laws to the University for revenue collection;
- (xii) To ensure that internal and statutory audit of accounts has been done in prescribed form;
- (xiii) To collect income, consultation for payment and maintain the accounts of University;
- (xiv) To ensure that the register of all immovable and capital assets has been prepared and is maintained regularly;
- (xv) To ensure that the physical verification of all immovable property and consumables has been done in regular interval;
- (xvi) Call for explanation to the concerned and submit proposal of recommendation of appropriate disciplinary action to the Vice chancellor regarding unauthorised expenditure or financial irregularities done by any committee or person of the University, if any;
- (xvii) Disciplinary control on all employees of audit and finance department of University;
- (xviii) To exercise such other powers and to perform all such other duties which are to be entrusted by the Vice-chancellor from time to time;
- (xix) To prepare annual accounts and budget, by finance

committee and after its approval, to submit before the executive council;

- (xx) To ensure that the funds of the University which are required to be invested, shall be invested in such manner through which the University may get benefits and on the recommendation of finance committee.
- (xxi) Financial matters or call for information or report from any affiliated or constituent college which may deem necessary for the purpose of carrying out its duties,
- (xxii) To make provision for conducting audit by the external agency as per provision of the Act.
- (2) The Finance Officer shall be responsible for the annual audit of the accounts of the University.
- (3) To provide assistance regarding the special audit as mentioned in the Act and to ensure the compliance of any instructions of the State Government.

**Other officers of the University**

9 There shall be the following officers of constituent University/ University under section 15 and clause (vi) of Section 8 of the Act—

- (a) The Dean (adhishthata)
- (b) Executive Council/ other officers as required by the state Government from time to time.

**The Dean**

9(a) (1) There shall be a dean at University level, but if required, the Vice-chancellor may also nominate honorary deputy Dean to conduct the work smoothly.

(2) The Dean shall be appointed by the Vice chancellor from amongst the professor of the University/ constituent medical college of the University on the basis of seniority and in cyclic order:

Provided that in case of unavailability of the professor in the constituent medical college, the post of the dean shall be held by the Vice chancellor.

(3) The tenure of the Dean shall be of two years or on his retirement, whichever is earlier, he shall be eligible for re appointment.

<b>Powers, functions and duties of the Dean</b>	<p><b>9(b)</b></p> <p>(4) The faculty member appointed as a Dean shall perform the functions of the Dean in addition to the function of his original post.</p> <p>(5) The faculty member nominated for this work shall not get separate salary.</p> <p>Subject to the provisions of the Regulations, the Dean shall have the following power, duties and functions:----</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(1) The Dean shall work in direct direction, supervision and control of the Vice chancellor/ Academic Council;</li> <li>(2) The Dean shall conduct all academic and research activities conducted in the University/ constituent or affiliated colleges of the University and shall be responsible for this;</li> <li>(3) The Dean shall conduct discipline/ student welfare/ sports/ cultural activities in a constituent / affiliated colleges of the University and shall be responsible for it;</li> <li>(4) The Dean shall preside the meeting of student welfare/ sport/ cultural/ disciplinary committee and shall present its recommendation before the academic council and Vice chancellor;</li> <li>(5) The Dean shall preside the meetings of Research Committee and shall present its recommendation before academic council and Vice chancellor.</li> <li>(6) The Dean, after approval of the Vice chancellor and conducting the meetings of various faculties, shall preside the meetings and shall present the recommendations of meetings of faculty board before the academic council/ Vice chancellor;</li> <li>(7) The Dean shall have right to participate and speak in the proceeding of meetings of executive council, academic council, finance committee and examination committee but shall not have right to caste vote</li> </ul>
---	--

(8) All such other functions, as directed by the Vice chancellor from time to time.

#### **Chapter-IV**

#### **Authorities and Bodies of the University**

**Authorities of the University**

10. There shall be the following authorities of the University according to section 17 of the Act---

- (a) The executive council;
- (b) The Academic council;
- (c) The finance committee;
- (d) The examination committee;
- (e) Such other authorities as may be declared by the statutes to be authorities of the Universities.

**Powers and functions of the Executive Council**

11. (1) Subject to the provision of the Act and regulations, the executive council shall have the following powers and functions:-

- (i) to create the post of teaching and non teaching staff of the University with prior approval of the State Government;
- (ii) to invest the additional money of the University in such securities as it deem appropriate or in purchasing of any immovable property for the development of University;

Provided that there shall be no proceeding under this cause without prior approval of the finance committee.

- (iii) to regulate and enforce the discipline in teaching and non teaching staff of the University according to the Act and Ordinances;

- (iv) to consider, decide and grievance redressal of the complaints of the employees and students of the University who are aggrieved by any reason.

- (v) to prescribe programme and course fee, examination fee and other fee/ charges for various programmes and courses and other subjects.

- (2) The quorum for the meeting of the executive council shall be one third of the total present members of the executive council

**The academic council**

12. Subject to the provision of the Act and regulations, the academic council shall have following powers and functions—

- (1) to consult the executive council in all academic matters;
- (2) take decision on the recommendation/ proposals of the faculty board;
- (3) take decision on the recommendation proposals of the research committee of the University;
- (4) general supervision of the academic policies of the University and to give directions regarding reforms in the system of instruction or academic norm.
- (5) to consider the matters of general interest on the directions of the executive council or submitted.

**The Finance committee**

13. (1) Subject to the provisions of sub section (3) of section 22 of the Act, the finance committee shall have the following powers and functions:—

- (i) If the executive council, after considering on the annual financial estimate (namely budget), propose such revision in it any time, in which recurring and non – recurring expenditure is included, the executive council shall refer the proposal to the finance committee.
- (ii) The annual accounts and financial estimate of the University prepared by the finance officer shall be present before the finance committee to consider and thereafter before the executive council for approval;
- (iii) Right to mention dissent note if members of the finance committee is not agree with its any decision;

(2) There shall be atleast two meetings of the finance committee every year for the checking of accounts and scrutiny of the proposal of expenditure.

**The examination committee**

14. (1) There shall be constituted the examination committee for the University under section 23(1) of the Act, as follows—

- I- the Vice chancellor- Chairman;
- II- the Dean- Member;
- III- Coordinator of each faculty- Member;
- IV- one member of academic council nominated by the Vice chancellor- Member;
- V- one member of executive council nominated by the Vice chancellor- Member
- VI- two subject specialist (expert) nominated by the Vice chancellor( as per requirement)- Member;
- VII- two faculty member of affiliated private education institutions nominated by the Vice chancellor- Member;
- VIII- the controller of examinations-Member-Secretary.

The tenure of the members mentioned in serial number IV,V,VII in the said committee shall be of one year.

The meeting of the examination committee shall be called by the Vice chancellor as and when necessary, which shall be arranged by the controller of examination.

(2) Subject to the provisions of section 23 of the Act, the examination committee shall have following other powers and functions—

- (i) The examination committee shall, after taking appropriate decision on the recommendation/ proposals of the examinations committees constituted on institutional level, present the proposal before the executive council for approval.
- (ii) The examination committee shall, after preparing proposal of necessary rules and conditions for conducting the examinations without cheating and with confidentiality and complete transparency, present it before the executive council for approval.
- (iii) The examination committee shall, after preparing the proposal of remuneration/ honorarium for expenditure to be held on various items to conduct the examination smoothly, present before the finance committee.

(iv) The Examination Committee shall be responsible to conduct the examinations timely with whole confidentiality as per the norms prescribed by the concerned standard council.

**The faculties** 15. (1) There shall be the following faculties of the University under section 24 of the Act,--

- (a) Faculty of Medicine;
- (b) Faculty of Dentistry;
- (c) Faculty of Nursing medicine;
- (d) Faculty of Para-medical;
- (e) Faculty of Medicine Associated;

(f) Such other faculties which may be considered necessary by the University after approval of the Executive Council.

(2) Each faculty shall have a coordinator, who shall be appointed by the Vice chancellor amongst from the senior most faculty members of concerned faculty or Principals of the constituents/ affiliated colleges of the University for a period of two years in cyclic order.

(3) The coordinator shall forward the matters to the University which are related to the faculty through the medium of the Dean.

(4) In addition to the functions of the parent post, the coordinator of the faculty thus appointed shall also discharge the duties and responsibilities of the post of coordinator of the faculty. No additional salary shall be payable for this.

**Other Authorities** 16. The following other authorities of the University are constituted under section 25 of the Act---

- (a) Faculty Board;
- (b) Research Committee;
- (c) Ethics Committee;
- (d) Sports/ cultural and student welfare committee;
- (e) Disciplinary committee;

- (f) Anti raging committee;
- (g) Anti women harassment committee;
- (h) examination Committee (at constituent/ affiliated college level)
- (i) Academic/ Research Committee (at constituent/ Affiliated Colleges level).

**The Board of Faculty**

17. (1) There shall be a Board of Faculty for each faculty as other authorities of the University, which shall be constituted as follows—

- (i) The Dean- Chairman;
- (ii) Coordinator of the concerned faculty- Member-secretary;
- (iii) Two Principals of the constituent/ affiliated colleges of the University to be included in the faculty nominated by the Vice chancellor- Member;
- (iv) Maximum ten professors/ senior faculty member of various subjects of constituent/ affiliated colleges of the University to be included in the faculty on the basis of cyclic order nominated by the Vice chancellor- Member;
- (v) Two external subject specialized academics of the concerned faculty nominated by the Vice-chancellor;

(2) All the nominated members of the faculty, except the ex-officio members, shall be members for a period of two years from the date of their nomination and then they shall not qualify for a second term unless all the senior faculty members/ professor of that faculty shall completed their first term.

(3) The quorum for the meeting of the faculty Board is one third of the total member present of the faculty board.

(4) The meetings of the concerned faculty board shall be called by the Vice-chancellor as and when necessary, which shall be arranged by the coordinator of the concerned faculty under the direction of the Dean

(5) The faculty board shall, under the control of the Vice chancellor/ Academic Council and Regulation and provisions, have the following powers and functions, namely—

- (a) to consider or provide report on academic matters referred by the academic council/ executive council/ Vice-chancellor or by his own.
- (b) to provide recommendations to the academic council related to teaching, research, training and examination of graduation, post graduation and other higher courses in the constituent/ affiliated colleges of the University.
- (c) to ensure implementation of the guidelines and ordinances made by the authorities of the University for the following matters—
  - (i) long term curriculum development;
  - (ii) teacher's development;
  - (iii) development of the studies and teaching materials;
  - (iv) up gradation of educational practices and techniques;
- (d) to provide recommendation to the academic council for organizing refresher and orientation courses for the teachers of constituent/ affiliated colleges of the University specially for courses of revised or newly proposed studies.
- (e) to submit the necessary proposal for the approval before the academic council by preparing it, for all academic activities within time according to the standards of respective campus of each course conducted under the faculty.
- (f) to submit the report on any matter related to the faculty when required by the academic council/ executive council/ Vice-chancellor.
- (g) to submit the annual academic calendar before the

academic council for the approval, by preparing it, according to the standards prescribed by the related council for the graduation/ post graduation/ P.G. Diploma/ certificate courses related to the faculty.

- (h) to consider the examination scheme of courses and the proposals related to the courses concerned with the faculty and thereafter provide recommendation to the academic council for the approval with modification, if necessary.
- (i) to make recommendation to the academic council regarding the concerned faculty and research work.
- (j) to consider regarding the purview of academic council on any such question which it may deem necessary and referred to it by the academic council and to make recommendation to the academic council regarding it.
- (k) to provide recommendation to the academic council for the method of the courses, curriculum and estimation of the education of jurisdiction of the faculty.
- (l) to consider on other academic matter which has been referred to it or which it may deems necessary.

**The Research committee**

18. (1) A Research Committee shall be constituted by the Vice-chancellor to promote research works in the constituent and affiliated colleges of the University.
- (2) There shall be following members in the research committee, namely—
  - (a) Dean- Chairman;
  - (b) Coordinator of all facilities- Member;
  - (c) Principal/ Campus Director of all constituent colleges- Member;
  - (d) Teacher from the established background nominated by the Vice-chancellor for the period of two year- Member;
  - (e) Two external specialist academic nominated by the Vice-chancellor for two years- Member;

(f) Research Officer- Co-ordinator.

(3) The Research Committee shall be under control of the Vice-chancellor.

(4) The nominated member shall be eligible for re appointment.

(5) The Chairman of the Research Committee may select any member of his committee as the Secretary of the Research Committee.

(6) The meeting of Research Committee must be held at least three times in a year:

Provided that the meeting of the Research Committee may be conducted at anytime, according to the requirement, after the approval of Vice-chancellor.

(7) The quorum for the meeting of the Research Committee shall be half of total members.

(8) The Research Committee shall, under the control of Vice-chancellor/ the academic council and the provisions of the regulations, have the following powers and functions, namely-

- (a) keep general supervision on research work being done in the constituent and affiliated colleges of the University;
- (b) to consider all matters related to the research by its own or referred by the various faculties, academic units and constituent colleges of the University;
- (c) to promote the inter faculty and inter departmental research in the University;
- (d) to formulate and implement the guidelines for the operating and monitoring of research, including but not limited to the following—
  - (i) ethical conduct of laboratory, animal and clinical research;
  - (ii) procedure of submission of research proposal and grant;

- (iii) progress report of the research plans;
- (iv) propagation of the findings of research through publication and presentations;
- (v) presenting the research budget to the finance committee;
- (vi) monitoring of research expenses;
- (vii) documentation of all research activities of the University;
- (e) to undertake annual review of research activities of the departments, faculties, academic units and constituent colleges of the University, and
- (f) to facilities, cooperative and multi disciplinary research by coordination with national, international, government and non governmental institutions, Universities, associations and agencies.
- (g) to take decision on the recommendations/ proposals of the institutional level academic/ research committee.

**The Ethics committee**

19. (1) The following Ethics Committee shall be constituted by the Vice-chancellor for the University—
  - (a) Institutional Human Ethics Committee;
  - (b) Institutional Animal Ethics Committee;
(2) The said committees shall be constituted as per the standard laid down from time to time by the concerned regulatory ministry/ constitutional council.
(3) The duties, powers and objectives of the said committees shall be the same as directed by the concerned regulatory ministry/ constitutional council from time to time.

**The sports/  
cultural and  
student welfare  
committee**

20. (1) There shall be a sports/ cultural and student welfare committee of the University. The objectives of the committee shall be as follows—
  - (a) development of sports and other physical activities among the members and students of the University;

- (b) development of discipline in students;
- (c) to organize faculty sports competitions and contest and recommendation of the University team in inter University, State, National and any other competitions, which are deemed appropriate by the board and all such other works which are attached and ancillary for obtaining such objectives;
- (d) development of student welfare by organizing various activities;
- (e) to submit the proposal to the finance committee after preparing it, regarding the expenditure of sports/ development/ student welfare/ alumni/ degree/ convocation ceremony fee received from students;

(2) The Committee shall be constituted as follows-

- (a) Vice-chancellor- Custodian;
- (b) The Dean- Chairman;
- (c) Three sports incharge faculty members nominated by the Vice-chancellor- Member
- (d) Three cultural incharge faculty members nominated by the Vice-chancellor- Member;
- (e) Registrar- Member-secretary.

The term of office shall be of two year for the members nominated under clause (c) and (d).

**Disciplinary Committee**

21. (1) The executive council shall, for such period as it deems appropriate, constitute a Disciplinary Committee in the University, in which there shall be the Vice-chancellor and two other members nominated by him;

Provided that if the executive committee deems expedient, it may constitute more than one Disciplinary Committee to consider on various matters or matters of various categories.

(2) Any such teacher, against whom any matter of

disciplinary action is pending, shall not work as a member of any Disciplinary Committee.

- (3) The executive council may transfer any matter from one Disciplinary Committee to any other Disciplinary Committee at any stage.
- (4) The duties of the Disciplinary Committee shall be as follows—
  - (a) to decide any appeal presented by any employee of the University;
  - (b) to investigate such matters in which any inquiry is pending against any teacher or librarian of the University;
  - (c) to recommend the suspension of any such employee referred in aforesaid clause (b), against whom the inquiry is pending;
  - (d) to exercise such other powers and to perform such other duties as entrusted by the Executive Council from time to time;
- (5) In case of dissent view of the members of the committee, the decision of majority shall be effective.
- (6) The decision of the Disciplinary Committee or its report shall, as soon as, be kept before the Executive Council so that the Executive Council may decide the matter.

#### **Anti Ragging Committee**

22. (1) An Anti Ragging Committee shall be constituted in each college under the rules and provisions of the Supreme Court/ U.G.C./ concerned regulatory council/ Government of India/ State Government in the constituent colleges/ affiliated colleges run under the University.
- (2) The Anti Ragging Committee shall be constituted by the Principals of the respective colleges.
- (3) The Committee shall take necessary actions for the prevention of ragging, from time to time, in compliance with the guidelines issued by the Supreme Court/

U.G.C. Government of India/ State Government/ University and shall take immediate necessary action as per rules when the matter of ragging is revealed/ come to the notice.

- (4) One Nodal Officer shall be nominated by the Vice-chancellor in the said committee of each institution.
- (5) An Appellate Committee shall be constituted for hearing at University level on the application against the decisions of Anti Ragging Committee constituted at the institute level or instruction received from the higher level or at its own discretion.
- (6) The Appellate Committee shall have the following members—
  - (i) The Vice-chancellor- Chairman;
  - (ii) The Dean- Member;
  - (iii) The coordinator of each faculty- Member;
  - (iv) Law Officer/ law expert nominated by the Vice-chancellor- Member;
  - (v) The Registrar- Member Secretary.
- (7) The University may investigate against the authorities of any affiliated college/ institution by the specified order of the Vice-chancellor and may recommend to take action, where it is of the opinion that anti ragging activities are not conducted properly.

**Anti women  
harassment  
committee**

23. (1) An Anti woman harassment committee shall be constituted at every constituent college/ affiliated college running under the University as per the rules and provisions of Supreme Court/ U.G.C. Government of India/ State Government.
- (2) The anti women harassment committee shall be constituted by the Principals of the respective colleges
- (3) The committee shall from time to time, take necessary action for the prevention of woman harassment from time to time, in the compliance with the guidelines

issued by Supreme Court/ U G.C./ Government of India/ State Government/ University at time to time and after cognizance of woman harassment shall take immediate necessary action as per the rules.

- (4) One woman nodal officer shall be nominated by Vice-chancellor in above said committee of each institution.
- (5) An appellate committee shall be constituted at University level for the hearing of application against decision of anti woman harassment committee constituted at institution level or instruction received from higher level or at its own discretion.
- (6) An appellate committee shall have the following members—
  - (i) The Vice-chancellor- Chairman;
  - (ii) The Dean- Member;
  - (iii) The Coordinator of each faculty- Member;
  - (iv) Law officer/ law expert nominated by Vice-chancellor- Member;
  - (v) Two women faculty as nominated b Vice-chancellor- Member;
  - (vi) Registrar- Member Secretary.
- (7) The anti woman harassment committee shall be constituted at University or constituent colleges of University, as per the rues and provisions of Supreme Court/ UGC/ Government of India/ State Government by the Vice-chancellor.

**Constituent/  
affiliated college  
level examination  
committee**

24. (1) At every constituent/ affiliated college level, an examination committee shall be constituted by Principal of the concerned institution/ college.
- (2) The committee shall have consist of following members—
  - (i) Principal- Chairman;
  - (ii) Head of department- Member;

(iii) Faculty examination incharge- Member-secretary.

(3) The affiliated/ constituent college examination committee shall have the following functions and responsibilities--

- (i) After deliberation regarding examination matters of syllabus conducting at affiliated/ component college level, produce a rational proposal with recommendation to examination committee of University.
- (ii) To conduct of examination at institution level as per the direction of University examination committee.
- (iii) To avail any noting/ proposal, on demand in special matter by University examination committee.
- (iv) To proceed as per the direction by University examination committee.
- (v) To perform the examinations without cheating and complete transparency and confidentiality.
- (vi) Preparation of an examinations calendar and produce the same to University examination committee.

**Academic/research committee at Constituent/ affiliated college level**

25. (1) An academic/ research committee shall be constituted at every constituent/ affiliated college level by the concerned institution/ college Principal.

(2) The committee shall consist of—

- (i) Principal- Chairman;
- (ii) Head of department- Member;
- (iii) Faculty incharge academic/ research- Member secretary;

(3) The constituent/ affiliated college level academic/ research committee shall have following functions and responsibilities--

- (i) After deliberation regarding academic/ research/ component college level, produce a rationale proposal with recommendation to research committee and concerned faculty committee of University;

- (ii) To conduct of academic and research activities at institution level as per the direction of research committee and concerned faculty committee of University;
- (iii) To avail any noting/ proposal on demand in special matters by research and concerned faculty committee of university;
- (iv) To proceed as per the guidelines by research and concerned faculty committee of University;
- (v) Preparation of annual academic calendar for related syllabus and produce the same to the University faculty committee.
- (vi) Take necessary action for enhancing the research related activities at component/ affiliated college level.

### **Chapter-V**

#### **Affiliation of college**

**Affiliation of college**

26. (1) The University shall have the right to affiliate other college/ institution which fulfill the conditions under the Act.

(2) Affiliation and de affiliation and inspection report of college/ institution shall be the same as provided under section 36, 37 and 38 of the Act and standard determined by the Government of India.

### **Chapter-VI**

#### **Service conditions and restrictions of University teachers/ employee**

**Number and cadre structure**

27. (1) There shall be the following faculty members and other employees in University/ constituent college of University—

- (a) Campus Director/ Principal;
- (b) Head of department;
- (c) Professor;
- (d) Associate Professor;

(e) Assistant Professor.

(f) Other employees – (i) Medical superintendent, (ii) Senior Resident, (iii) Junior Resident/Tutor, (iv) Library Assistant, (v) all posts of clerical cadre,(vi) for constituent college requirement, designation sanctioned by executive council in addition to the aforesaid, shall be include in it as per requirement.

(2) Number of posts and qualifications of faculty members and other non-teaching staff of University/ constituent college of University shall be determined by regulatory council in appropriate manner/ standard.

(3) Qualification of Senior Resident, Junior Resident/ Tutor shall be same as determined by concerned regulatory councils.

(4)For the fulfillment of the purpose of University, other posts of sanctioned non teaching officer and staff at University level according to above mentioned, salary and condition would be adopted thereby same designation of other Government department and which designation is not available in other department and sanctioned or would be sanctioned by the Government by keeping the view in necessity of University, then qualification and service condition shall be determined by executive council.

Functions and powers for all of the above posts shall be determined by executive council.

For all of the above posts, selection shall be through selection committee of concerned University as determined by these regulations according to the relevant service rules of concerned cadre.

Determinations of  
vacancy

28. The Registrar shall determine the number of vacancies to be filled in a year and also determine the number of vacancies reserved for the candidates of Scheduled Caste, Scheduled Tribe, Other Backward Classes or Economic Weaker Sections according to the rules in force and

intimate the same for approval of appointing authority.

**Advertisement of Vacancies**

29. After approval of the appointing authority, the Registrar shall notify the vacancies by spreading wide publicity and publishing an advertisement in daily newspaper.

**Committee for selection**

30. (1) For the recruitment of group 'B' employees, selection committee shall consist of—

- (a) Vice-chancellor- Chairman;
- (b) An invited member as nominated by Vice-chancellor- Member;
- (c) Head of department as nominated by Vice-chancellor- Member;
- (d) An officer of SC/ST/OBC as nominated by Vice-chancellor- Member;
- (e) Registrar- Member Secretary.

(2) For group C employees, selection committee shall consist of—

- (a) Vice-chancellor/ nominated officer by Vice-chancellor- Chairman;
- (b) An invited member as nominated by Vice-chancellor- Member;
- (c) Head of department as nominated by Vice-chancellor- Member;
- (d) An officer of SC/ST/OBC as nominated by Vice-chancellor- Member;
- (e) Registrar- Member secretary.

**Appointing Authority**

31. The Vice-chancellor shall be appointing authority for the posts other than the posts created in University for which appointing authority is Governor, Principal Secretary/ Secretary health education.

**Recruitment process**

32. In the cadre posts direct recruitment shall be done by an open selection according to the relevant service rules concerned cadre and on the recommendations of University selection committee.

### Chapter-VII

#### Conferment and withdrawal of Degree and Diploma (see section 26(1) of the Act)

**Conferment and  
withdrawal of  
degrees and  
diploma etc.**

33. (1) Phd, Doctor of literature (D.lit), Doctor of Science (D.SC) or honorary degree may be conferred to such persons who have been contributed or done specific work in the field connected to medical science, medical system, medical education or done remarkable service of medical education/ allied education.

(2) Executive council may on its own motion or on the recommendation of academic council pass a resolution of the conferment of honorary degree by majority of total members and one and half majority by member present and voting, and forward the proposal to Chancellor for approval of same:

Provided that no proposal shall be produced regarding the person, who is member of any authority or body of University.

(3) Before initiating proceeding of withdrawal of degree, diploma or certificate as conferred or sanction by University, an opportunity shall be given to the person to explain the charges against him. Registrar shall forward the notice of charges against him by post and it shall be required from concerned person to produce his explanation within 15 days from receipt of notice.

(4) Prior approval of Chancellor is required for every proposal regarding withdrawal of honorary degree.

### Chapter VIII

#### Convocation

**Convocation**

34. (1) Convocation for conferring the degrees, diploma, certificate and other academic distinction may be organized by the University, once in a year on such date and times as the executive council may fix for such purpose.

(2) A special convocation may be organized by the University with the prior approval of the Chancellor.

- (3) There shall be the specified persons in the convocation by whom the regular development of the University is constituted.
- (4) A local convocation may be organized in each institution or college on such date and at such time as may be fixed by the principal with prior written approval of the Vice chancellor.
- (5) The procedure to be followed in the Convocation specified in this Chapter and other matters related thereto shall be such as are prescribed in the Ordinance.
- (6) Where it is not convenient to organize convocation of University/ institution/ college, degree, diploma and other academic distinction may forward to the candidates concerned by the registered post.

### **Chapter IX Annual Report**

**Annual Report**

35. The annual report of the financial year prepared by the University under direction of the Executive Council shall be presented to the Chancellor on or before 30<sup>th</sup> September of each calendar year.

### **Chapter X Regulations**

**Regulations**

36. (1) All regulations, except the first regulations, shall be made by the Executive Council.

(2) Except as otherwise provided in these Regulations, the executive council may make new or additional regulations or may amend or repeal the regulations specified in sub section (1) of section 26 of the Act;

Provided that no such regulation shall be made, amended or repealed, which---

- (a) shall adversely affect the admission of the students or give effect to more qualifications for the examinations which provide reorganization equivalent to the

examination of the University or for the admission in various courses of the University;

(b) adversely affect the conduct or level of any course except the conditions and method of appointment of the examiner and their duties and examinations or proposal of related branch and until the draft of such regulations is proposed by the Academic Council, or

(c) shall adversely affect the number, qualifications and emoluments of the teachers of the University or income or expenditure of the University until its draft is approved by the State Government.

(3) The Executive Council shall not have the power to modify any draft proposed by the academic council under regulation 14, but it may reject or return it to the academic council wholly or partially for re consideration with such resources as the executive council suggests.

(4) All regulations made by the executive council shall come into effect from such date as may directs by it and shall be submitted to the Chancellor as soon as possible.

(5) The Chancellor shall notify to the executive council the disapproval for regulations made other than the regulations specified in regulation 14 at any time and such regulation shall be void from the date of receipt of notice of such disapproval to the executive council.

(6) The Chancellor may directs that the modification of any regulations other than the regulations specified in regulation 14 shall remain suspended until he get the opportunity to exercise his power to disapprove the regulations. No order of suspension under regulation shall be effective upon the expiry of one month from the date of order.

#### To make rules

37.

(1) Subject to the provisions of the Act and Regulations, any authority of the University may make rules for the following-

(a) procedure to be followed in the meetings and to enhance the number of required members for the quorum;

(b) provision of all such matters which are to be prescribed by the Act and regulations;

(2) The regulations made by any authority of the University shall provide the method of providing information of the date of the meeting and the work to be done in it to its members and to keep the records of work to be done in such meetings.

(3) The executive council may direct any authority of the University that it may cancel any rules made by such authority or body or amend in such form as may be specified in the directions and such authority shall thereafter cancel the regulations accordingly or amend it:

Provided that if any authority of the University is not satisfied from any such direction, it may appeal to the Chancellor, who may give such order, after consulting with the executive council, as it may deem fit.

(4) Subject to the provisions of the regulations, the academic council shall make regulations for the arrangement of any examination, courses of degree or diploma of the University only after the draft is proposed by the academic branch board concerned.

(5) The academic council shall not have the power to modify or disapprove any draft proposed by the executive council under sub regulation (3) but it may return the draft with its suggestion to the executive council for reconsideration.

**Notification No. 363/XXVIII (5)/2020-13(સામાન્ય)2019 dated 12 May, 2020**

**Appendix A**

**The Hemwati Nandan Bahuguna Medical Education University  
(Appendix A of point 26(1) of Chapter VI of the Regulations)**

(A) Post sanctioned by the Government Order No. 275(1)/XXVIII(1)2014-68/2013 dated 22<sup>nd</sup> January 2014 and Government Order No 2028/XXVIII(1)/2015-02(general)/2014 dated 6<sup>th</sup> June 2015.

S.No.	Designation	6 <sup>th</sup> pay scale/ grade pay	7 <sup>th</sup> pay scale / grade pay	Number of posts	Educational qualification	Source of recruitment
1 01	Registrar	15600-39100 grade 6600	4 pay 206700 (level-11)	01	(1) Essential-- (a) Academic- A graduate degree from any University established by law in India or any equivalent degree recognized by the Government. Candidate should have proper knowledge of Hindi and English.  (b) Experience:- 15 years experience of examination, administrative and supervisory level in a scale of (Rs 56100-177500 Level-10) or more in any University, State Government or in higher education, medical education college or Minimum fifteen years of teaching experience in any University	7 Direct recruitment/ deputation

1	2	3	4	5	6	7
					or medical education college. (2) Preferential qualification:- (a) A post graduate degree or any degree recognized by the State Government or any equivalent degree. (b) On being other things same, such candidates shall get preference who have experience to conduct or to be associated with the examination and work related to the authorities of the University, and of excellent work in letter writing, experience of financial and accounts related works, and experience of execution of works related to the public relations and disposal of the problems.	

S.No.	Designation	6 <sup>th</sup> pay scale/ grade pay	7 <sup>th</sup> pay scale/ grade pay	Number of posts	Educational qualification	Source of recruitment
1	2	3	4	5	6	7
02	The Controller of Examinations	15600-39100 grade 6600	66700- pay (level-11)	01	(1) Essential-- (a) Academic- A graduate degree from any University established by law in India or equivalent degree recognized by the	Direct recruitment/ deputation

1	2	3	4	5	6	7
S.No.	Designation	6 <sup>th</sup> pay scale/ grade pay	7 <sup>th</sup> pay scale / grade pay	Number of posts	Educational qualification	Source of recruitment
1	2	3	4	5	6	7
03	The Officer	Finance grade pay 5400	56100-39100 177500 level- 10	01	From Finance service	By the Finance Department of the State of Uttarakhand
04	System Manager	15600-39100 grade pay 5400	56100- 177500 level 10	01	Post graduate degree in computer science/ MCA from any recognized University with atleast	Direct recruitment

Government. The candidate should have proper knowledge of Hindi and English language.

(b) Experience: 15 years experience of examination, administrative and supervisory level in a scale of (Rs 56100-177500 Level-10) or more in any University, State Government or in higher education, medical education college or Minimum fifteen years of teaching experience in any University or medical education college.

1	2	3	4	5	6	7
					five years work experience of any University/ Higher educational institute of the State Government in the related field.	

Or

By merger/ permanent service transfer such employee working amongst from regularly in Government medical colleges/ medical education department of State of Uttarakhand who have experience in Hospital information system/ academic/ exam portal related work and have completed ten years service in the pay scale of (Rs 47600-151100 Level-8) or more pay scale.

S.No.	Designation	6 <sup>th</sup> pay scale/ grade pay	7 <sup>th</sup> pay scale/ grade pay	Number of posts	Educational qualification	Source of recruitment
1	2	3	4	5	6	7
05	Research Officer	15600-39100 grade 5400	56100- 177500 level-10	02	According to the approval of the seventh meeting of the executive council of the University dated 15-12-2018  1- A full time two years post graduate degree in Hospital/	Direct recruitment

1	2	3	4	5	6	7
06	Deputy Controller of Examinations	15600-39100 grade 5400	56100- 177500 level- (10)	01	<p>Medical Administration or hospital/ medical management from any recognized University.</p> <p>2- Net qualified in subject/ management or Ph.D in subject/ management.</p> <p>3- After the post graduate degree, one year academic/ research/ research/ experience in any educational institute/ institutions Or in the hundred bedded hospital/ hospitals or the one who publish in the Index Journal as first/ associate writer shall get preference.</p>	<p>Direct recruitment/ deputation</p> <p>(a) Academic: A graduate degree from any University established by law in India, proper knowledge of Hindi and English language.</p> <p>(b) Experience:- At least ten years experience of letter writing in Hindi and English and work related to examination in the Government office or any University of the State Government/ higher education institute/ medical education colleges.</p>

1	2	3	4	5	6	7
07	Sub Registrar (Examination/ administration)	15600-39100 grade pay 5400	56100- 177500 (level-10)	01	Assistant Registrar appointed substantially who have completed five years of services.	By promotion.
S.No.	Designation	6 <sup>th</sup> pay scale/ grade pay	7 <sup>th</sup> pay scale / grade pay	Number of posts	Educational qualification	Source of recruitment
08	Assistant Registrar/ Record legal	9300-34800 grade 4200	35400- 112400 (level-06)	01	Essential: (a) Academic- A graduate degree from any University established by law in India and proper knowledge of Hindi and English language. (b) Experience: Atleast 7 years experience of letter writing and Audit rules work in Hindi and English in Government office or any University.	Direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7
09	Personal Officer	9300-34800 grade 4600	44900- 142400 (level-07)	01	According to Subordinate Office Personal Assistant Employees Recruitment (amended from time to time)	Promotion Cadre (Direct Rules, 2018.
10	Personal Assistant grade-2 (revised designation senior personal assistant)	5200-20200 grade 4200	35400- 112400 (level-06)	01	According to Subordinate Office Personal Assistant Employees Recruitment (amended from time to time)	Promotion Cadre (Direct Rules, 2018.

1	2	3	4	5	6	7
11	Stenographer (revised designation- Personal Assistant)	5200-20200 grade 2800	29200- pay 92300 (level-05)	01	According to Subordinate Office Personal Employees Recruitment) Assistant Service Rules, (amended from time to time)	Direct recruitment Cadre (Direct 2018.
12	Assistant Account Officer	9300-34800 grade 4800	47600- pay 151100 (level-08)	01	According to the Rules prevailed for the account cadre in the state of Uttarakhand	By the department of the State of Uttarakhand
13	Accountant	9300-34800 grade 4200	35400- pay 112400 (level-06)	03	According to the rules prevailing for the account cadre in the state of Uttarakhand.	by recruitment/ promotion
14	Assistant Accountant	5200-20200 grade 2800	29200- pay 92300 (level-05)	06	According to the rules prevailing for the account cadre in the state of Uttarakhand.	direct recruitment

S.No.	Designation	6 <sup>th</sup> pay scale/ grade pay	7 <sup>th</sup> pay scale / grade pay	Number of posts	Educational qualification	Source of recruitment
1	2	3	4	5	6	7
15	Administrative Officer	9300-34800 grade 4600	44900- pay 142400 (level-07)	01	According to the recruitment/ promotion prevailing for the clerical cadre in the State of Uttarakhand.	Promotion
16	Senior Assistant	5200-20200 grade 2800	29200-92300 (level-05)	06	According to the recruitment/ promotion prevailing for the clerical cadre in the State of Uttarakhand.	Promotion
17	Junior Assistant/	\$200-20200	21700-69100	13	According to the direct	Direct recruitment

1	2	3	4	5	6	7
	Data Operator	Entry grade 2000	pay (level- 03)		recruitment/ promotion rules prevailing for the clerical cadre in the State of Uttarakhand.	
18	Store Keeper	5200-20200 grade 1900	19900-63200 (level-02)	01	According to the promotion rules prevailing for the Store Keeper cadre in the State of Uttarakhand	Direct recruitment
19	Mail Carrier/ Electrician/ Plumber/ Computer Technician/ Fourth Class/ Peon/ Security Guard/ Sweeper	-	-	21	Outsource	Outsource

By Order,

NITESH KUMAR JHA,

Secretary.

पी०एस०य० (आर०ई०) १८ हिन्दी गजट / १९१—मापा १-२०२० (कम्प्युटर / रेजिस्ट्रे०)

मुद्रक एवं प्रकाशक—अपर निदेशक, राजकीय मुद्रालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।



# ਸਰਕਾਰੀ ਗਜਟ, ਉਤਤਰਾਖਣਡ

## ਉਤਤਰਾਖਣਡ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ

ਰੁਫ਼ਕੀ, ਸ਼ਾਨਿਵਾਰ, ਦਿਨਾਂਕ 06 ਜੂਨ, 2020 ਈ0 (ਯੋ਷਼ਟ 16, 1942 ਸ਼ਕ ਸਮਵਤ)

### ਮਾਗ 1—ਕ

ਨਿਯਮ, ਕਾਰ੍ਯ—ਵਿਧਿਆਂ, ਆਜ਼ਾਏਂ, ਵਿਜ਼ਾਪਿਤਿਆਂ ਇਤਥਾਦਿ ਜਿਨਕੇ ਉਤਤਰਾਖਣਡ ਦੇ ਰਾਜਧਾਨੀ ਮਹੋਦਾਵ, ਵਿਸਿਨਲ ਵਿਮਾਗੋਂ ਕੇ ਅਧਿਕਾਰ ਤਥਾ ਰਾਜਸ਼ਵ ਪਰਿਬੰਦ ਨੇ ਜਾਰੀ ਕਿਯਾ

### HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

#### NOTIFICATION

May 27, 2020

No. 101/UHC/Stationery/2020--The Hon'ble High Court of Uttarakhand has been pleased to declare 01<sup>st</sup> week of June, 2020 (i.e. 01<sup>st</sup> to 05<sup>th</sup> June, 2020) as working days in the High Court of Uttarakhand. In lieu thereof, 03<sup>rd</sup> October, 21<sup>st</sup> November, 05<sup>th</sup> December, 19<sup>th</sup> December and 26<sup>th</sup> December, 2020 (all Saturdays) shall be the non-court Working days, for the High Court of Uttarakhand.

By order of the Hon'ble Court,

Sd/-

HIRA SINGH BONAL,

H.J.S.

Registrar General.

#### NOTIFICATION

May 27, 2020

No. 102/XIV-a/51/Admin.A/2015—Ms. Manju Devi, Civil Judge (Jr. Div.), Gopeshwar, District Chamoli is hereby sanctioned maternity leave for 180 days w.e.f. 26.11.2019 to 23.05.2020, in terms of F.R. 101 and S.R. 153 & 154 of F.H.B., Volume II (Parts 2-4) and Office Memo No. 250/XXVII(7)/2009 dated 24.08.2009 issued by Government of Uttarakhand.

NOTIFICATION*May 27, 2020*

No. 103/XIV-a/52/Admin.A/2015--Ms. Jayshri Rana, 1<sup>st</sup> Addl. Civil Judge (Jr. Div.), Nainital, is hereby sanctioned child care leave for 60 days w.e.f. 14.01.2020 to 13.03.2020 with permission to suffix 14.03.2020 & 15.03.2020 as holidays, in terms of Office Memorandum No. 11/XXVII(7)34/2011 dated 30.05.2011 issued by Government of Uttarakhand.

NOTIFICATION*May 29, 2020*

No. 104/XIV-a-59/Admin.A/2012--Smt. Payal Singh, Additional Chief Judicial Magistrate, Haldwani, District Nainital is hereby sanctioned child care leave for 43 days w.e.f. 23.03.2020 to 04.05.2020 with permission to prefix 22.03.2020 as Sunday holiday, in terms of Office Memorandum No. 11/XXVII(7)34/2011 dated 30.05.2011 issued by Government of Uttarakhand.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

*Registrar (Inspection).*

### कार्यालय जनपद न्यायाधीश, पिथौरागढ़

#### कार्यभार ग्रहण प्रमाण पत्र

16  
— मार्च, 2020 ई०  
18

पत्रांक 153 / I-1-2019-प्रमाणित किया जाता है कि मेरे द्वारा सिविल जज (सीनियर डिवीजन), पिथौरागढ़ का कार्यभार दिनांक 10-02-2020 से दिनांक 13-03-2020 तक (दिनांक 08-02-2020 के द्वितीय शनिवार अवकाश व दिनांक 09-02-2020 के रविवार अवकाश को पूर्वयोजित एवं दिनांक 14-03-2020 के द्वितीय शनिवार अवकाश व दिनांक 15-03-2020 के रविवार अवकाश को पश्चात योजित करते हुए) कुल तैतीस दिन का अर्जित अवकाश माननीय सच्च न्यायालय, उत्तराखण्ड नैनीताल के परिपत्र संख्या- 189/XIV/a-34/Admin.A/2013, दिनांक 08 जनवरी, 2020 की स्वीकृति के फलस्वरूप उपभोग करने उपरान्त आज दिनांक 16-03-2020 को पूर्वाह्न में ग्रहण किया गया।

प्रतिहस्ताक्षरित,

ह०/-(अस्पष्ट)

जनपद न्यायाधीश,

पिथौरागढ़।

रश्मि गोयल,

सिविल जज (सीनियर डिवीजन),

पिथौरागढ़।

## कार्यालय आयुक्त राज्य कर, उत्तराखण्ड

(फार्म-अनुभाग)

विज्ञप्ति

20 फरवरी, 2020 ई०

पत्रांक 212/राज्य कर उत्तरा०/फार्म-अनु०/2019-20/केन्द्रीय फार्म-सी/एफ/खोया/चोरी/नष्ट हुए/दे०दून-केन्द्रीय विक्रीकर (उत्तराखण्ड) नियमावली-2006 के नियम-8(13) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके मैं आयुक्त कर, उत्तराखण्ड निम्नलिखित सूची में उल्लिखित फार्म 'एफ' जिनके खो जाने/चोरी हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हुई है, को सार्वजनिक प्रकाशनार्थ अनुमति प्रदान करते हुए इन फार्म्स के प्रयोग को अवैध घोषित करती हूँ:-

क्र० सं०	व्यापारी का नाम, पता व टिन नं०	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की सीरीज/क्रमांक	फार्म को अवैध घोषित किये जाने का कारण
1.	सर्वश्री एबॉट हैल्थकेयर, प्राइलिं 15 कॉवली रोड देहरादून टिन-05010161648	(Form-F)-08	<u>U.K.VAT/F-2007</u> 218008, 116761, 218010 To 218015	खोने के कारण
2.	सर्वश्री एशियन पेन्ट्स PPG प्राइवेट लिमिटेड HCL कम्पाउण्ड, निरंजनपुर माजरा, देहरादून टिन-05011447674	(Form-F)-01	<u>U.K.VAT/F-2009</u> 0141477	खोने के कारण

सौजन्या,

आयुक्त राज्य कर,

उत्तराखण्ड।

NOTIFICATION

February 20, 2020

NO. 212/State Tax/Form/Lost/Stolen/Destroyed/2019-2020/D.Dun--Whereas, information have been received regarding Lost/Stolen/Destroyed "Form-F" enlisted below.

I, Commissioner tax, Uttarakhand in exercise of the powers conferred by Rule 8(13) of Central Sales Tax (Uttarakhand) Rules 2006, hereby declare that "Form-F" bearing serial no. as listed below, should be considered as invalid for all purposes.

Sl. No.	Name, Address and Tin No. of Dealers	No. of Lost/Stolen/Destroyed Forms	Sl. No. of Lost/Stolen or Destroyed Forms	Reasons for declaring the forms obsolete or invalid
1.	M/s Abot Healthcare Pvt. Ltd. 15 Kawali Road Dehradun. Tin 05010161648	(Form-F)-08	<u>U.K.VAT/F-2007</u> 218008, 116761, 218010 To 218015	Lost
2.	M/s Asian Paints PPG Pvt. Ltd. HCL Compound, Nirajanpur Majra, Dehradun. Tin 05011447674	(Form-F)-01	<u>U.K.VAT/F-2009</u> 0141477	Lost

SOWJANYA,

Commissioner State Tax,  
Uttarakhand.

पी०एस०य० (आर०ई०) 18 हिन्दी गजट/191-भाग 1-क-2020 (कम्प्यूटर/रीजिस्ट्री)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुद्रकी।